राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 21 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-182 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब बच्चा पैदा करने के लिए नहीं पड़ेगी महिला की जरूरत !

रोबोट देंगे बच्चों को जन्म,पड़ोसी देश चाइना ने शुरू की तैयारी

बीजिंग (एजेंसी)। अभी तक बच्चा पैदा करने के लिए महिला की कोख की जरूरत होती थी, जहां वह नौ महीने तक भ्रूण को गर्भ में पालती थी और फिर बेबी का जन्म होता था। लेकिन अब साइंस ने इस कदर तरक्की कर ली है कि आने वाले समय में बच्चे के जन्म के लिए महिला की कोख की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। अब यह जिम्मेदारी रोबोट निभाएगा। सुनने में भले ही यह अजीब लगे, लेकिन हकीकत यही है कि आने वाले समय में चीन इस दिशा में तेजी से तैयारी कर रहा है और जल्द ही वहां इंसानों की जगह रोबोट से बच्चा पैदा हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीजिंग में आयोजित वर्ल्ड रोबोट कॉन्फ्रेंस 2025 में फाउंडर डॉ. झांग किफेंग ने एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे एक ह्यूमनॉइड रोबोट तकनीक पर काम कर रहे हैं, जिसमें आर्टिफिशियल गर्भाशय होगा। इस टेक्नोलॉजी के जरिए भविष्य में बच्चे को जन्म देना संभव हो सकेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ. झांग ने बताया कि ह्यूमनॉइड रोबोट प्रेग्नेंसी का पहला प्रोटोटाइप साल

2026 में लॉन्च किया जाएगा। इसकी कीमत करीब 100,000 युआन (लगभग12 लाख या .13,900) होगी। ह्यूमनॉइड प्रेग्नेंसी रोबोट का आर्टिफिशियल वॉम्ब असली गर्भ की तरह काम करेगा। इसमें आर्टिफिशियल एमनियोटिक फ्लूयड और पोषक तत्व पहुंचाने की खास प्रणाली होगी है, जो गर्भधारण से लेकर बच्चे के जन्म तक भ्रूण के विकास में मदद करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रेग्नेंसी रोबोट से जरिए पैदा होने वाले बच्चे का खर्चा सरोगेसी से कहीं कम होगी। इसके अलावा, सरोगेसी में न सिर्फ खर्चा ज्यादा आता है, बल्कि कानूनी दिक्कतें भी सामने आती हैं।

जिस ट्वीट से 'ईसी' को घेर रही थी कांग्रेस हो गया डिलीट

- सीएसडीएस के संजय कुमार ने खुद हटाया, ईसी से माफी भी मांग ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव विश्लेषक और लोकनीति-सीएसडीएस के कोऑर्डिनेटर संजय कुमार ने महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट पर सवाल उठाने को लेकर माफी मांगते हुए अपना पुराना

ट्वीट डिलीट कर दिया है। संजय कुमार के इन आंकड़ों का सहारा लेते हुए कांग्रेस चुनाव आयोग पर आक्रामक थी।

राहुल गांधी ने कई बार संजय कुमार के इस ट्वीट का जिक्र कर चुनाव आयोग पर निशाना साधा था। अब संजय कुमार ने माफी मांगते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़ों की तुलना करने में गलती हो गई थी। संबंधित ट्वीट डिलीट कर दिया गया है। संजय कुमार ने कहा कि डेटा टीम से आंकड़ों का अध्ययन करने में गलती हो गई थी। हमारा उद्देश्य किसी तरह की गलत जानकारी देना नहीं था। संजय कुमार के माफी मांगने के बाद बीजेपी को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। बीजेपी ने कहा कि यह एक 'ईमानदारी वाली गलती' थी। बीजेपी के आईटी चीफ अमित मालवीय ने कहा, हर चुनाव में यही होता है कि पहले कहा जाता है कि बीजेपी हार रही है। वहीं जब बाजी पलट जाती है तो इस बात पर चर्चा शुरू होती है कि बीजेपी आखिर कैसे जीत गई। यही लोग किसी तरह समझाते हैं कि बीजेपी कैसे जीती। उन्हें लगता है कि टीवी देखने वाली जनता मूर्ख है।

उन्होंने कहा, सीएसडीएस ने बिना जांचे-परखे ही आंकड़े पोस्ट कर दिए। इससे कांग्रेस को महाराष्ट्र में प्रपंच गढ़ने का मौका मिल गया।

'मैक 5' की गर्जना भारत को बना देगी अब अजेय

चीन की उड़ेगी नींद, थर-थर कांपेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की हवाई ताक आने वाले वर्षों में विश्व को हैरान कर सकती है। यूरोप का सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा प्रोजेक्ट फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम अब भारत के द्वार तक पहुंच चुका है। फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की संयुक्त पहल से विकसित यह छठी पीढ़ी का युद्धक विमान भारत की सामरिक स्थिति को पूरी तरह बदल सकता है। यदि भारत इस प्रोजेक्ट में 'सहभागी देश' के रूप में शामिल होता है, तो यह पाकिस्तान सहित पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी रणनीतिक चुनौती बन जाएगा। साथ ही, भारतीय वायुसेना को एक और शक्तिशाली हथियार प्राप्त होगा। यह विमान केवल एक फाइटर जेट नहीं, बल्कि एक 'सिस्टम ऑफ सिस्टम्स' होगा। इसमें नया लड़ाकू विमान (न्यू जेनरेशन फाइटर वी कॉम्बैट) के साथ-साथ मानवरहित ड्रोन (रिमोट कैरियर्स) भी होंगे। ये सभी कॉम्बैट क्लाउड के माध्यम से रियल-टाइम में जुड़ेंगे और सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। अर्थात, यह योद्धा आसमान में अकेला नहीं, बल्कि पूरी सेना के साथ उड़ान भरेगा। मैक -5 को छठी पीढ़ी का विमान माना जा रहा है, जो मौजूदा पांचवीं पीढ़ी के विमानों (जैसे एफ-35) से कहीं अधिक उन्नत होगा।

बी सुदर्शन रेड्डी बनाम सीपी राधाकृष्णन हुआ मुकाबला

रिटायर्ड जस्टिस को विपक्ष ने बनाया उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

सुप्रीम कोर्ट में जज रह चुके, अब एनडीए प्रत्याशी से जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दोनों 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है।

यूपी के मदरसों में अब आयोग से होगी नियुक्ति

आजमगढ़ (एजेंसी)। सुहेलदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि जल्द ही मदरसा बोर्ड में भी यूपी बोर्ड, आईसीएसई और सीबीएसई की तरह पठन-पाठन की व्यवस्था लागू की जाएगी। अब मदरसों में भी

नियुक्ति आयोग से होगी। वहीं विधायक पूजा पाल खिलाफ अखिलेश यादव के ऐक्शन पर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। ओम प्रकाश राजभर ने पूजा पाल को योगी सरकार ने न्याय दिलाया। सपा ने आरोपी को विधायक बना दिया था। ओम प्रकाश राजभर ये बातें नेहरू हाल में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान कहीं। योगी सरकार में पंचायतीराज राजभर ने कहा कि विपक्ष केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष का आरोप निराधार है। यदि चुनाव आयोग की गलती से कोई जीता है तो पहले विपक्षी दलों के विजयी विधायक इस्तीफा देकर साबित करें। समाजवादी पार्टी को सच सुनने की आदत नहीं है।

रहिए तैयार ! अब स्टेशन पर ही तौला जाएगा आपका सामान

- लिमिट से ज्यादा हुआ तो देना होगा 6 गुना तक एक्स्ट्रा चार्ज
- रेलवे लाया नया नियम! इसी वर्ष से लागू करने की है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन रेलवे की तरफ से एक बड़ा अपडेट आया है, जो आपके सामने से जुड़ा है। दरअसल अब रेल यात्रियों को लगेज के मामले में भी सावधान रहना होगा, क्योंकि एयरपोर्ट की तरह ही रेलवे भी यात्रियों के सामान की जांच की नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत रेलवे स्टेशन पर चढ़ने से पहले आपका सामान तौला जाएगा। इतना ही नहीं यदि आपका सामान तय सीमा से ज्यादा वजन वाला निकला तो आपको अतिरिक्त चार्ज भी देना पड़ेगा। भारतीय रेलवे का नया लगेज सिस्टम चालू वित्तीय वर्ष में लागू करने की योजना है। इसके तहत प्रयागराज जंक्शन, कानपुर

सेंट्रल, मीरजापुर, अलीगढ़, टूंडला समेत मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रवेश और निकास गेट पर इलेक्ट्रानिक वजन मशीनें लगाई जा रही हैं। बता दें कि एसी फर्स्ट क्लास में 70 किलो और एसी टू में 50 किलो तक सामान ले जाने की अनुमति होगी। वहीं स्लीपर और एसी थ्री में 40 किलो, जबकि जनरल में केवल 35 किलो तक सामान ले जाने की इजाजत होगी। अगर यात्री इस सीमा से अधिक सामान लेकर चलते हैं और पहले से बुकिंग नहीं कराई है, तो 6 गुना तक जुर्माना वसूला जा सकता है। सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि यह कदम यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों में भारी-भरकम लगेज पर नियंत्रण रखने के लिए उठाया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल वजन ही नहीं, बल्कि आकार भी जांच के दायरे में रहेगा। यानी यदि बैग हल्का है लेकिन जगह ज्यादा घेरता है, तो भी अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ सकता है। अब श्रेणीवार लिमिट की बात करें तो ऐसा इसलिए तय किया गया है ताकि सीटों की व्यवस्था के अनुसार ही सामान रखा जा सके।

पूर्व, पश्चिम और दक्षिण तो साध लिए, अब उत्तर की आ गई बारी

बीजेपी ने शुरू कर दिया 'खेला', अध्यक्ष नार्थ से ही बनेगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन होगा. फिलहाल इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से जब इस सवाल का जवाब पूछा जाता है, तो वे कहते हैं कि अध्यक्ष तो बीजेपी का ही होगा। फिलहाल नाम नहीं बता सकते। लेकिन अब चर्चा है कि बीजेपी का अगला अध्यक्ष 'उत्तर' से हो सकता है। अब सवाल उठता है कि उत्तर से ही अध्यक्ष क्यों होगा, तो आइये जानते हैं इसके पीछे की सियासत। दरअसल, रविवार को बीजेपी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए साउथ (तमिलनाडु) से आने वाले ओबीसी के बड़े नेता सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है। सहयोगी दलों ने भी राधाकृष्णन को समर्थन किया है। राधाकृष्णन इस वक्त महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। अब सबकी नजर इस पर है कि पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा। सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी में ही इस सवाल का जवाब छिपा है। बीजेपी के नए अध्यक्ष में क्षेत्रीय संतुलन का ख्याल रखा जाएगा। ठीक उसी तरह, जिस तरह सीपी राधाकृष्णन के चयन से पार्टी ने क्षेत्रीय संतुलन का ख्याल रखा है। मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा उत्तर भारत से हैं। अब चर्चा हो रही है कि नया अध्यक्ष भी उत्तर भारत से ही होगा। इसको लेकर कई कयास भी लगाए जा रहे हैं।

भारत को फर्टिलाइजर और रेयर-अर्थ मेटल देगा चीन

- जुलाई में इनका निर्यात बैन किया था,अब खोलने की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन भारत को खाद, रेयर अर्थ मटेरियल और टनल बोरिंग मशीन की सप्लाई करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक चीन के विदेश मंत्री मंत्री वांग यी ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को आश्वासन दिया कि इन जरूरतों को पूरा किया जाएगा। वांग यी 18 अगस्त को दो दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। उन्होंने सोमवार को जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बातचीत की थी। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाने और सहयोग बनाए रखने पर सहमति जताई।

मूसलाधार बारिश से 'पानी-पानी' हुई आमची मुंबई

- सड़कें डूबीं,घर-दुकानों में भर गया पानी,लोकल ट्रेन सर्विस डाउन
- 250 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में मंगलवार को तेज बारिश जारी है। पिछले दो दिनों में बारिश से जुड़े हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में रेड अलर्ट है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि नांदेड़ में बादल फटने से 8 लोगों की मौत हो गई। सेना रेस्क्यू में जुटी है। करीब 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मुंबई में करीब 300 एमएम बारिश हुई है। मीठी नदी का जलस्तर घट रहा है। हालांकि, अभी भी कई इलाकों में अलर्ट है। सुबह मीठी नदी का जलस्तर 3.9 मीटर बढ़ने के कारण कुर्ला क्रांति नगर एरिया से 350 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। शहर में आज भी स्कूल-कॉलेज, गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ रही हैं। अंधेरी सब-वे भी पानी भरने से आज भी बंद है। कई अंडर ब्रिज में 4 फीट तक पानी भरा है।

लोकल ट्रेन सर्विस भी प्रभावित है। हार्बर लाइन का ट्रैक पानी में डूबा हुआ है। कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें लोग रेलवे ट्रैक पर चलते नजर आ रहे हैं। इधर, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात 1 बजे बादल फटा। तेज बहाव में 3 दुकानें बह गईं। सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

- **सीएम फडणवीस बोले- करीब 500 लोगों का रेस्क्यू हुआ-** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि नांदेड़ में बादल फटने से आठ लोगों की मौत हो गई। सेना रेस्क्यू में जुटी है। करीब 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया। उन्होंने बताया कि मुंबई में करीब 300 एमएम बारिश हुई है। मीठी नदी का पानी घट रहा है। कई जगह अभी भी अलर्ट है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पिछले 4 महीनों में बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है।

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 बनीं राजस्थान की मनिका विश्वकर्मा

- 48 सुंदरियों को पछाड़ जीता ताज,इनका स्टाइल है कमाल

जयपुर (एजेंसी)। मिस यूनिवर्स बनने का ख्वाब बहुत- सी लड़कियां देखती हैं, जिसके लिए वे सालों-साल मेहतन करती हैं, तो अब राजस्थान के गंगानगर की लड़की का सपना सच हो गया है। 18 अगस्त को जयपुर में हुए मिस यूनिवर्स इंडिया फिनाले में मनिका विश्वकर्मा ने देशभर से आई 48 ब्यूटी क्वीन को पीछे छोड़ ताज अपने नाम कर लिया। अब वह थाईलैंड में होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता की तैयारी में जुट जाएंगी, तो अब उनकी खूबसूरती सबका ध्यान खींच रही है।

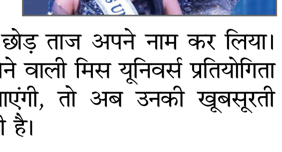

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस- 21 अगस्त, 2025)

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है।

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-卐समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना卐। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात् अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

संपादकीय

सेवा की सज़ा

इसमें दो राय नहीं कि जब भी मूल रूप से जेल की अवधारणा का विकास हुआ होगा, तो उसका मकसद भटके लोगों के जीवन में सुधार ही रहा होगा। किसी सभ्य समाज के कायदे-कानून तोड़ने वाले, भटके हुए लोगों को जेल के एकाकी जीवन में आत्ममंथन का समय देने का भी मकसद रहा होगा। साथ ही यह भी अहसास कराना होगा कि समाज से विलग रहने के क्या मायने हैं। वहीं दूसरी ओर जीवन मूल्यों व सामाजिकता का अहसास कराना भी मकसद रहा होगा। दरअसल, भारतीय न्याय संहिता, 2023 पर आधारित नई व्यवस्था छोटे अपराधों के लिए दोषियों को जेल भेजने के बजाय समाज सेवा करने का अवसर देती है। ताकि उन्हें अपनी गलती का अहसास हो और उत्तरदायित्व के साथ सामाजिकता का बोध हो सके। हरियाणा सरकार द्वारा जारी सामुदायिक सेवा दिशानिर्देश, 2025 की अधिसूचना आपराधिक न्यायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। जिसका लक्ष्य दंड देने के बजाय सुधार व बदलाव है। ऐसे समय में जब देश की जेलें कैदियों की निर्धारित संख्या से कहीं अधिक बोझ उठा रही हैं। विचाराधीन कैदियों की संख्या 76 फीसदी से अधिक है, राज्य की यह पहल कम जोखिम वाले अपराधियों के लिये कारावास का सकारात्मक विकल्प प्रदान करती है। निस्संदेह, इस पहल का दायरा व्यापक होने के साथ ही उद्देश्यपूर्ण भी है। यह व्यवस्था कम संगीन अपराधों के लिये दोषियों को पार्कों के रखरखाव, अस्पतालों में मरीजों की सहायता करने, आंगनबाड़ियों में योगदान देने, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, स्वच्छ भारत तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय अभियानों में योगदान के लिये प्रेरित करती है। इस बाबत जारी दिशा-निर्देश किशोरों के लिये भी भूमिकाएं निर्धारित करते हैं। मसलन, नेशनल कैडिट कोर प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सेवा योजना, पर्यावरण परियोजनाएं तथा महिलाओं के लिये प्रसूति वार्ड व शिशु देखभाल केंद्र जैसे सुरक्षित स्थानों पर सेवा करने का अवसर प्रदान करती है। निश्चय ही नई व्यवस्था जहां एक ओर अपराधियों को उनके अपराध का प्रायश्चित करने का अवसर प्रदान करती है, वहीं समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देती है। दरअसल, हरियाणा मॉडल के तहत की जाने वाली पहल, उसे अन्य राज्यों के प्रयासों से विशिष्टता प्रदान करती है। जैसे कि दिल्ली में 40 से 240 घंटे की सेवा निर्धारित करने वाली नीति से अलग, इसके परिचालन का विवरण, इसे विश्वसनीय बनाता है। इसके अंतर्गत बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो-टैग की गई तस्वीरें, वीडियो प्रमाण और प्रगति रिपोर्टिंग सत्यापन इसकी सार्थकता सुनिश्चित करती है। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को गौशालाओं और वृद्धाश्रमों में सेवा करने की सजा और जम्मू की एक अदालत द्वारा अपराधियों को स्वास्थ्य केंद्र और पार्क की सफाई करने के लिये बाध्य करने का आदेश यह दर्शाता है कि सामुदायिक सेवा समाज को लाभ पहुंचाने के साथ ही भटके व्यक्ति के व्यवहार को कैसे नया रूप दे सकती है। निस्संदेह, इस सुधार अभियान को सफल बनाने के लिये सुरक्षा उपाय भी बेहद जरूरी हैं। इस बात में सावधानी बरती जानी चाहिए कि समाज में बार-बार अपराध करने वालों को इस व्यवस्था से बाहर रखा जाए। दूसरा, इससे जुड़ी निगरानी पारदर्शी और मजबूत होनी चाहिए। जिसमें सावधानी से निगरानी और चूक करने पर त्वरित दंड की व्यवस्था भी शामिल है। दूसरा उनके कार्य के परिणाम का मूल्यांकन होना चाहिए कि अभियुक्त अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। इस बात का भी मूल्यांकन होना चाहिए क्या पीड़ितों को इस तरह की सजा दिए जाने से राहत मिली है। यह भी कि क्या समाज में अपराध की पुनरावृत्ति कम हुई है।

आतंकवाद के पीड़ितों निर्दोष लोगों के प्रति स्मृति और श्रद्धांजलि

(लेखक- -संजय गोस्वामी)

(21 अगस्त, 2025, आतंकवाद पीड़ित स्मृति और श्रद्धांजलि दिवस)

आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21 अगस्त, 2025 को मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह दिन आतंकवाद से प्रभावित लोगों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए समर्पित है। इसे विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन उन लोगों को याद करने और करुणा और लचीलेपन को बढ़ावा देने वाले कार्यों के माध्यम से पीड़ितों का समर्थन करने के लिए मनाया जाता है।26 नवंबर, 2008 को, दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिनमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए। सुरक्षा बलों ने 29 नवंबर, 2008 को हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले को अंजाम दिया था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। यह हमला 9/11 के बाद सबसे घातक और बेशर्म आतंकवादी घटना थी। तब और अब, दोनों ही समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त है। अपनी पुस्तक, *अवॉइडिंग आर्मागेडनः अमेरिका, इंडिया, एंड पाकिस्तान टू द ब्रिंक एंड बैक* पर काम करते हुए, यह स्पष्ट हो गया कि मुंबई हमले की साजिश में एक तीसरा पक्ष गुप्त रूप से शामिल थाः अल-कायदा। हालाँकि अल-कायदा ने अपनी गतिविधियों को गुप्त रखा, लेकिन उसने लश्कर-ए-तैयबा को हमले की योजना बनाने और लक्ष्य चुनने में मदद की। 26 नवंबर, 2008 को दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। 29 नवंबर, 2008 को सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ लिया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा इस हमले के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। यह 9/11 के बाद का सबसे घातक और सबसे निर्लज्ज आतंकवादी हमला था। तब और अब, दोनों समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसियों और अल-क़ायदा का समर्थन प्राप्त रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस हफ़्ते भारत में उसकी संलिप्तता के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और विशेष रूप से इस ऑपरेशन के लिए पाकिस्तान स्थित इसके शिविरों में प्रशिक्षण लेने की बात कबूल की। उसने इस साज़िश में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया था। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफ़िज़ सईद पाकिस्तान में फ़रार है और अक्सर भारत, अमेरिका और इज़राइल के ख़िलाफ़ सार्वजनिक रूप से वकालत करता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका के साथ संबंध तोड़ने की माँग करता है। अल-कायदा को 2008 के हमले से बड़ी उम्मीदें थीं, उसे उम्मीद थी कि इससे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष छिड़ जाएगा जो अफगानिस्तान में नाटो के अभियानों को बाधित कर सकता है और अल-कायदा पर ड्रोन हमलों में बाधा डाल सकता है। हालाँकि, भारत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीति को चुना, और अंततः खतरा टल गया। सईद के समर्थकों में पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी, आईएसआई शामिल हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम करती हैं। कसाब ने सीधे तौर पर आईएसआई पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उसने प्रशिक्षण और लक्ष्य चयन में मदद की थी। दो पाकिस्तानी प्रवासियों, अमेरिकी डेविड हेडली और कनाडाई तहव्वुर राणा ने भी अमेरिकी अदालतों में स्वीकार किया है कि उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा को मुंबई नरसंहार की योजना बनाने में मदद की थी और आईएसआई ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। दोनों को दोषी ठहराया गया था, और हमले की तैयारी के लिए मुंबई की उनकी टोही यात्राओं का वित्तपोषण आईएसआई ने किया था। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस सप्ताह भारत में उसके अपराधों के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और हमले के लिए पाकिस्तान स्थित उसके शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करने की बात स्वीकार की। उसने इस ऑपरेशन की योजना बनाने में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफिज सईद अभी भी पाकिस्तान में फरार है और बड़ी-बड़ी रैलियों में भारत, अमेरिका और इज़राइल की खुलकर आलोचना करता रहता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका से संबंध तोड़ने का आह्वान करता है। पिछले वर्ष सील्स द्वारा अल-कायदा नेता को फांसी दिए जाने के बाद सईद ने उसे इस्लाम का नायक बताया था।सवाल यह है कि यह कब तक चलता रहेगा? देश की संप्रभुता सर्वोपरि है। जब तक सेना को पूर्ण अधिकार नहीं मिल जाते, लोग मारे जाते रहेंगे। इस क्रूरता की जितनी भी निंदा की जाए कम है, क्योंकि आतंकवाद न तो किसी धर्म, न ही नियम या कानून को जानता है। ये समूह निर्दोष नागरिकों या बड़े पैमाने पर समाज को निशाना बनाकर सरकार पर अपनी माँगें मनवाने और हर जगह आतंक फैलाने का दबाव बनाते हैं। उनके लक्ष्य बहुत स्पष्ट हैं—वे केवल वही स्वीकार करते हैं जो वे पूरा करवाना चाहते हैं। यह मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है। वे दोस्तों, परिवार, बच्चों, महिलाओं या बुजुर्गों को नुकसान पहुँचाने से नहीं हिचकिचाते। उनकी रणनीतियों में भीड़ पर बम गिराना, लोगों पर गोलीबारी करना, विमानों का अपहरण करना और अन्य आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना शामिल है। 2008 से, लश्कर-ए-तैयबा पाकिस्तान में खुलेआम सक्रिय है और लगातार नए हमलों की साजिश रच रहा है। 2010 में, इसने नई दिल्ली में 19वें राष्ट्रमंडल खेलों पर एक बड़े हमले की योजना बनाई थी, लेकिन प्रभावी खुफिया जानकारी, खासकर ब्रिटिश एजेंसियों से मिली जानकारी के कारण, इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। इस गर्मी में, भारतीय अधिकारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक प्रमुख आतंकवादी, सैयद ज़बीउद्दीन अंसारी, उर्फ अबू जिंदाल को गिरफ्तार किया, जो सऊदी अरब में एक ठिकाने से एक और आतंकवादी हमले की योजना बना रहा था। अबू जिंदाल 2008 के मुंबई हमलों में भी शामिल था—वह कराची स्थित लश्कर-आईएसआई नियंत्रण कक्ष में था, जहाँ से आतंकवादियों को मोबाइल फोन के ज़रिए बंधकों, जिनमें अमेरिकी भी शामिल थे, की हत्या के आदेश मिलते थे। मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को दोपहर करीब 3 बजे पहलगाम के बैसरन में एक बड़ा आतंकवादी हमला हुआ। आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज़्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा, इस हमले में एक दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हुए। आज, लश्कर-ए-तैयबा एक टाइम बम बना हुआ है जो फिर से हमला करने के लिए तैयार है। आतंकवादी संगठन टीआरएफ ने एक बयान जारी कर दावा किया कि यह हमला कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद, इलाके में गैर-स्थानीय बस्तियों के विरोध में किया गया था।

नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्रमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्यवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सर्वातीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है।

श्रीरामचरितमानस के श्रीराम सर्वसद्गुण संपन्न मर्यादारक्षक परम आदर्श शिरोमणि होने के साथ ही स्वमहिमा में स्थित महामानव है। श्रीरामचरित मानस के श्रवण, मनन तथा चिंतन से अत्यंत विष्यासक्त, असदाचारी कठोर हृदय मानव भी पवित्र विचार परायण एवं सदाचारी होकर निर्मल प्रेम भक्ति की रसधारा में सराबोर होकर मुक्ति प्राप्त कर सकता है। इस ग्रंथ के सभी पात्र आदर्श चरित्र से परिपूर्ण हैं। इसमें गुरु शिष्य, माता पिता, भ्राता पुत्र स्वामी सेवक, प्रेम सेवा, क्षमा, वीरता, दान, त्याग, धर्मनीति आदि संपूर्ण आदर्शों के प्रत्यक्ष दर्शन होते हैं। यही कारण है कि इस ग्रंथ का सर्वत्र समादर है। तथा यह सर्वप्रिय ग्रंथ है। श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों को अधिकांश मानव मंत्रवत कर जप परायण करते हैं। वाल्मीकि ने श्री रामायण की रचना करते समय श्रीराम कथा के रूप में मानवता की कथा कही है। उन्होंने श्रीराम के चरित्र के माध्यम से विश्व के मानवों को मानवता का संदेश दिया है। राम जैसा नर मानव है। राम के समान चरित से मानवता की प्राप्ति होती है। राम एक ऐसे सेतु हैं जहां एक छोर से शुरू होकर मनुष्य दूसरे छोर पर परमात्मा तक पहुंच जाता है।

विचार मंथन

और लो राजा, अब रोबोट करेंगे बच्चा पैदा होंगे डिजाइनर बच्चे

(लेखक- सनत जैन)

विज्ञान ने इंसान को जिस दिशा में धकेल दिया है उससे लगता है कि उसने भगवान की शक्तियां प्राप्त कर ली हैं। सनातन धर्म की मान्यता है, कर्म के आधार पर जन्म होता है। अब मशीनों के जरिए मानव भगवान की शक्तियों और कर्म फल के सिद्धांत को सीधे-सीधे चुनौतियां देता नजर आ रहा है। चीन का यह दावा चमत्कार जैसा लग रहा है। रोबोट यदि बच्चे पैदा करेंगे तो यह मानवीय विकास के लिए चिंता भी पैदा करता है। खबर है, कि चीन ऐसा रोबोट बना रहा है जो बच्चे को गर्भ में पालकर 10 महीने में मानव शिशु को जन्म दे सकेगा। मां के गर्भ की जगह अब 卐कृत्रिम गर्भ卐 और मशीनें ले लेंगी। रोबोट के जरिए जो बच्चे पैदा होंगे उन्हें डिजाइनर बच्चों की तरह पैदा किया जा सकेगा। तकनीक के लिहाज से यह उपलब्धि बांझपन जैसी गंभीर समस्या का समाधान हो सकती है। लाखों महिलाएं जो प्राकृतिक गर्भधारण में सक्षम नहीं हैं उनके लिए यह आशा की किरण है। सवाल सिर्फ तकनीकी का नहीं, मानवीय संवेदनाओं का भी है। एक मां जब गर्भ धारण करती है, यह एक प्राकृतिक घटना होती है। अंडाणु और शुक्राणु का नौ महीने का सफर केवल शारीरिक विकास का नहीं होता है, बल्कि भावनात्मक और मानसिक संवेदनाओं के साथ शिशु पनपता है। गर्भ में पलता शिशु मां की धड़कनें सुनता है। उसके विचारों और भावों को महसूस करता है। गर्भ के दौरान वह ज्ञान भी अर्जित करता है। जीवन जीने की पहली शिक्षा गर्भ से शुरू होती है। महाभारत काल में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को गर्भ से ही चक्रव्यूह का ज्ञान प्राप्त हुआ था। आधे-अधूरे ज्ञान के कारण अभिमन्यु चक्रब्यूह तोड़ने में तो सफल हो गया लेकिन चक्रब्यूह से बाहर नहीं निकल पाया। गर्भधारण और जन्म की यह प्रक्रिया केवल जैविक नहीं, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास से भी जुड़ी होती है। ऐसे में सवाल उठता है, क्या मशीनें इस संवेदनात्मक, कुल परंपरा और जैविक रिश्ते, सांस्कृतिक धरोहर की जगह ले पाएगा? बांझपन का उपचार ज़रूरी है।

मां के पेट से बच्चा वह सब कुछ सीखता है, जिस मां के पेट से बच्चे का जन्म होता है। उस परिवार के संस्कार भी उस बच्चे पर आते हैं। रोबोट तकनीक कितने परिवारों को संतान सुख दे पाएगी, यह कहना मुश्किल है। इस तकनीकी का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो सकता है। जब रोबोट ठीक कृत्रिम तरीके से बच्चे पैदा करने लगेंगे। लाखों और करोड़ों लोगों को रोबोट के माध्यम से तैयार किया जाने लगेगा। तकनीकी जब ईजाद होती है, तो उसका मकसद बहुत अच्छा होता है। लेकिन अच्छे मकसद के लिए तकनीकी का इस्तेमाल बहुत कम होता है। तकनीकी का दुरुपयोग सबसे ज्यादा होता है। यह अभी तक के निष्कर्ष से जाना जा सकता है। रोबोट के माध्यम से जो बच्चे जन्म लेंगे वह बच्चे के व्यक्तित्व, मां के स्नेह, माता-पिता के गुण, चिंता और प्यार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? गर्भावस्था से लेकर जन्म होने तक का पूरा सफर केवल मशीन और प्रयोगशाला की दीवारों के बीच तय होगा।

तो ऐसे बच्चे केवल जैविक ढांचे बनकर रह जाएगें। इनमें संवेदनाएं नहीं होंगी। इनका वजूद भी मशीनों की तरह होगा। विज्ञान के जरिए जीवन को बेहतर बनाने का समाधान मिल सकता है, लेकिन उसमें संपूर्णता का बोध नहीं हो सकता है। विज्ञान के जरिए सामाजिक और भावनात्मक विचारों का जन्म नहीं हो सकता है।

रोबोट तकनीक गर्भधारण करने और बच्चा पैदा करने की मशीन बनेगी। मातृत्व की पवित्रता मानव समाज के गुण, धर्म, संवेदनाएं तथा आक्रामकता का स्थान नहीं ले सकता है। इस तरह के प्रयास मानवता के संबंधों और विकासक्रम में प्रश्नचिन्ह लगाने वाला कदम होगा। आने वाले समय में इंसान का जन्म यदि प्रयोगशालाओं में तय होगा, तो परिवार, रिश्तों और भावनाओं की परिभाषा ही बदल जाएगी। हम इंसानों के रूप में मशीनी इंसान पैदा करेंगे। विज्ञान के चमत्कार पर केवल ताली बजाने से काम नहीं चलेगा। वर्तमान स्थिति को लेकर हमें सोचना होगा। क्या रोबोट से जन्मे बच्चे का कोई स्वतंत्र भविष्य हो सकता है?

मां का प्रेम, संवेदनाएं और जीवन जीने का ज्ञान हर सांस के माध्यम से केवल एक मां ही दे सकती है। यही फर्क इंसान और मशीन के बीच हमेशा बना रहेगा। मानव सभ्यता को लेकर जिस तरीके की छेड़छाड़ की जा रही है, वह हमें कहां तक ले जाएगी कहना मुश्किल है। हमें ध्यान रखना होगा कि वैज्ञानिक तकनीक सुख-सुविधाओं के साथ विकास का तो हिस्सा बने, लेकन मानवसमाज के लिए भस्मासुर न बनने पाए।

सही मायने में हम जीवन और मृत्यु के प्राकृतिक स्थिति में व्यवधान पैदा कर रहे हैं, जिसके कारण भविष्य में बड़ा नुकसान होना तय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे

-इसके साथ हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हुई

नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने फिनटेक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम की पैरेंट कंपनी) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने एक्सचेंज को बताया कि अब उसके पास पेटीएम में 5.15 फीसदी हिस्सेदारी है। मंगलवार को दाखिल की गई एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं। इसके साथ ही उनकी हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हो गई है। अब उनके पास कुल 3,29,11,399 शेयर हैं। मंगलवार को पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का शेयर 4.6 फीसदी या 53.75 बढ़कर 1,227.30 पर बंद हुआ था। दिन के दौरान इसने 1,232.65 का हाई छुआ यानी करीब 5 फीसदी की तेजी दर्ज की। कंपनी का मार्केट कैप अब करीब 78,360 करोड़ है। इसी दिन मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी 2.31 फीसदी या 21.70 बढ़कर 959.85 पर बंद हुए। इस कंपनी का मार्केट कैप करीब 57,544 करोड़ है। बता दें हाल ही में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने क्विक-कॉमर्स स्टार्टअप जेप्टो में भी बड़ा निवेश किया था। कंपनी ने 400 करोड़ लगाकर जेप्टो के 7.54 करोड़ कम्पलसरीली कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर खरीदे थे। यह डील 12 अगस्त को रेगुलेटरी फाइलिंग में दर्ज की गई थी।

एयरपोर्ट जाने से पहले वेबसाइट या ऐप पर उड़ान की स्थिति देखें

मुंबई में भारी बारिश से उड़ानें बाधित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश से उड़ाने भी बाधित हो रही हैं। इसके मद्देनजर भारत की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने यात्रियों के लिए बुधवार को एडवाइजरी जारी की। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके बारिश की आशंका के कारण हवाई यात्रा पर असर पड़ने की बात कही है। कंपनी ने पोस्ट में लिखा- हम चाहते हैं कि आपकी यात्रा यथासंभव परेशानी मुक्त हो, लेकिन प्रकृति की भी अपनी योजनाएं हैं। मुंबई में भारी बारिश की आशंका है, जिससे हवाई यातायात में भीड़भाड़ और उड़ान संचालन पर असर पड़ सकता है। एयरलाइंस ने आगे लिखा- हम संचालन को सुचारू रखने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम पहले से योजना बनाने की सलाह देते हैं। आपकी उड़ान के शेड्यूल में कोई भी बदलाव आपके पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिए से साझा किया जाएगा, इसलिए सुनिश्चित करें कि वे अपडेट रहें। एयरपोर्ट जाने समय से पहले निकलने की सलाह देते हुए इंडिगो ने लिखा- एयरपोर्ट जाने से पहले हमारी वेबसाइट या ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति देखें और जलभराव और धीमी गति से चलने वाले ट्रैफिक की संभावना के कारण, अपनी यात्रा के लिए कुछ अतिरिक्त समय निकालें। सड़कों पर सुरक्षित रहें और तैयार होकर यात्रा करें। इससे पहले बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस ने पोस्ट करके एक एडवाइजरी जारी की थी। उसमें भी विमानन कंपनी ने कई विमानों के आगमन और प्रस्थान में देरी की आशंका जताई थी और यात्रियों को इंडिगो की ऐप और वेबसाइट से यात्रा संबंधी प्रमुख गाइडलाइन्स को फॉलो करने की सलाह दी थी। मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी दी थी, जिसके कारण उड़ानों के समय में बदलाव या देरी की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी ने महाराष्ट्र में 16 से 21 अगस्त के दौरान भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत खरीद रहा रूसी ऊर्जा, इसलिए ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया

-लेविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि क्षेत्र में जल्द शांति स्थापित हो

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अलग से टैरिफ लगा दिया है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने कहा कि यह कदम रूस को युद्ध जारी रखने से रोकने के लिए उठाया गया है। लेविट ने कहा कि भारत लगातार रूसी ऊर्जा खरीद रहा है, इसी कारण टैरिफ दोगुना यानी 50 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप लगातार दबाव बना रहे हैं कि यह युद्ध जल्द खत्म हो। उन्होंने भारत पर प्रतिबंध और दूसरे कदम उठाए हैं ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत हो सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की और सात यूरोपीय नेताओं से साथ मुलाकात की थी। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर चर्चा की गई। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि जल्द शांति स्थापित हो। बैठक के बाद नाटो महासचिव समेत सभी यूरोपीय नेता इसे सही दिशा में पहला कदम बताया। व्हाइट हाउस का दावा है कि अगर ट्रंप पहले से राष्ट्रपति होते, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। रिपोर्ट के मुताबिक लेविट ने दोहराया कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराकर तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब हालात बिगड़ रहे थे, तब ट्रंप ने व्यापार को हथियार बनाकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाया। भारत ने इस दावे को हमेशा खारिज किया है, लेकिन पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने ट्रंप को इस समझौते का श्रेय देते हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 87.06 रुपये पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को रुपया 87.04 पर बंद हुआ था। गत दिवस शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। रुपये की इस मजबूती को निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो देश की आर्थिक नीतियों में भरोसे को दर्शाता है।

नए लुक में लॉन्च हुई टाटा पंच ईवी, नए कलर के साथ एडवांस फीचर्स भी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की सबसे पॉपुलर और किफायती इलेक्ट्रिक कारों में से एक टाटा पंच ईवी अब नए लुक में बाजार में आ गई है। अपनी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन और एडवांस फीचर्स के लिए पंच ईवी अब दो नए कलर के साथ बाजार में उपलबध है। साथ ही कंपनी ने इसकी चार्जिंग स्पीड में भी सुधार किया है, जिससे यह कार पहले से ज्यादा प्रैक्टिकल और यूजर फ्रेंडली बन गई है। टाटा पंच ईवी में अब प्यूर ग्रे और सुपरनोवा कॉपर कलर शामिल किया गया है। इन नए शेड्स के जुड़ने के बाद पंच ईवी कुल सात रंगों में बाजार में उपलब्ध होगी। खास बात यह है कि इसके सभी कलर ब्लैक रूफ के साथ डुअल-टोन फिनिश में आते हैं, जो कार को और भी प्रीमियम और स्टाइलिश बना देते हैं। टाटा ने पंच ईवी की डीसी फास्ट चार्जिंग स्पीड को बेहतर बनाया है। जहां पहले इस कार को 10 फीसदी से 80 फीसदी तक चार्ज करने में 56 मिनट लगते थे, अब इसे सिर्फ 40 मिनट में चार्ज किया जा सकेगा। केवल 15 मिनट की चार्जिंग में पंच ईवी करीब 90 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिससे लंबी यात्राओं में यह मददगार साबित होगी। टाटा पंच ईवी न केवल स्टाइलिश है, बल्कि टेक्नोलॉजी से भी लैस है। इसमें 10.25-इंच का डुअल स्क्रीन सेटअप लगाया गया है, जिसमें इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल हैं। इसके अलावा, कार में वायरलेस एंडराड ऑटो और एपल कारप्ले, रियर ऐसी वेंट, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एयर प्यूरीफायर और 6-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स मिलते हैं। कंफर्ट के लिए वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एंबिएंट लाइटिंग और सिंगल-पेन सनरूफ भी मौजूद हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 213 अंक , निफ्टी 70 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 213.45 अंक की तेजी के साथ करीब 81,850 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 70 अंक बढ़कर 25,000 के स्तर के ऊपर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन मिलाजुला रहा, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.46 फीसदी और 0.30 फीसदी की तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी बैंक में 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की खरीदारी के बाद फिर से शुद्ध विक्रेता रहे और भारतीय शेयरों में 634.26 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,261.06 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी के साथ अपना समर्थन बनाए रखा।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे। वहीं भारती एयरटेल, इन्फोसिस और एनटीपीसी के शेयर में तेजी रही। जानकारों के अनुसार एनएसई का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी पिछले तीन दिनों में जीएसटी सुधारों से संबंधित सकारात्मक घोषणाओं के कारण 364 अंक उछला है जिससे भी बाजार को बल मिला है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी। निवेशकों ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार मामले पर होने वाली बातचीत से पहले से सतर्क रुख अपनाने हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। आज सुबह सेंसेक्स पिछले बंद भाव से 68.3 अंक की गिरावट के साथ 81,576.09 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी सुबह 26.5 अंक टूटकर 24,965.80 पर खुला।

सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादा शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और ट्रेंट जैसे शेयर शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी, इंफोसिस और टीसीएस सबसे ज़्यादा लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में भी आज सुबह गिरावट से शुरुआत हुई। सुबह दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.87 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.11फीसदी गिरा। अमेरिकी बाजार में भी गिरावट रही। वहीं तकनीकी शेयरों में कमजोरी के कारण एसएंडपी 500 में 0.59 फीसदी की गिरावट, नेसडेक में 1.46फीसदी की गिरावट और डॉओ जोंस लगभग स्थिर रहा।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर उद्योग जगत की अपील कहा- बैठक कर पहले चर्चा जरुरी

नई दिल्ली।

ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और फेडरेशन ऑफ इंडिया फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए पत्र में, उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि उनका मानना है कि ऑनलाइन स्किल गेमिंग इंडस्ट्री प्रधानमंत्री के 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण की आधारशिलाओं में से एक हो सकता है। ऐसे में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने सरकार के साथ तत्काल बैठक का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो भारतीय यूजर्स और नागरिकों को गंभीर नुकसान होगा।

गेमिंग संगठनों ने पत्र में कहा, हमें विश्वास है कि आपके समर्थन से, भारत का गेमिंग क्षेत्र जिम्मेदारी से आगे बढ़ सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है, महत्वपूर्ण कर राजस्व में योगदान दे सकता है और अवैध ऑपरेटरों को रोक सकता है। यह विधेयक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को एक कानूनी ढांचे के तहत लाने और डिजिटल ऐप्स के माध्यम से जुआ खेलने पर दंड लगाने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित कानून राज्य के कानूनों में लत, धोखाधड़ी और विसंगतियों पर चिंता व्यक्त करता है और इसमें दंड और सजा के प्रावधान हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऑनलाइन गेमिंग के लिए केंद्रीय नियामक के रूप में नामित किया जा सकता है। इस विधेयक का उद्देश्य अनधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी पर भी रोक लगाना है। गेमिंग फेडरेशन के अनुसार, ऑनलाइन स्किल गेमिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसका उद्यम मूल्यांकन 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, राजस्व 31,000 करोड़ रुपए से अधिक है, वार्षिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर 20,000 करोड़ रुपए से अधिक है और यह 20 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर 2028 तक और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने के साथ दोगुना होने वाला है। भारतीय ऑनलाइन गेमर्स की कुल संख्या 2020 में 36 करोड़ से बढ़कर 2024 में 50 करोड़ से अधिक हो गई।

पत्र में आगे कहा गया है, भारत के गेमिंग उद्योग ने जून 2022 तक 25,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है। यह उद्योग वर्तमान में 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करता है, और अगले कुछ वर्षों में यह संख्या काफी बढ़ जाएगी।

अगस्त से नवंबर के बीच कई नए मॉडल होंगे लॉन्च

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल कंपनियां भारतीय बाजार में अगस्त से नवंबर के बीच कई नए मॉडल लॉन्च करने की तैयारी में हैं। कंपनियों का सबसे ज्यादा फोकस इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर रहेगा। टाटा सिएरा ईवी, ई-विटारा और विनफास्ट एसयूवी जैसी किफायती गाड़ियों से लेकर बीएमडब्ल्यू आईएक्स 2025, ऑडी क्यू6 ई-ट्रॉन और मर्सडीज बेंझ सीएलए इलेक्ट्रानिक जैसी लग्जरी गाड़ियां लॉन्च होंगी। महिंद्रा भी अपने वीजन एस और एसएक्सटी कॉन्सेप्ट को प्रोडक्शन की ओर ले जा रही है। दोपहिया सेगमेंट में स्कूटर्स और प्रीमियम ई-मोटरसाइकिलें आएंगी, हालांकि बड़े पैमाने पर बिकने वाली इलेक्ट्रिक बाइक्स के लिए अभी एक साल इंतजार करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल अगस्त से नवंबर का समय भारत में अब तक का सबसे बड़ा ईवी लॉन्च सीजन साबित हो सकता है। इसमें लग्जरी से लेकर किफायती तक, हर तरह की गाड़ियां एक साथ बाजार में आएंगी, जिससे शहरी और अर्ध-शहरी दोनों तरह के ग्राहकों की मांग को बढ़ावा मिलेगा। 2025 की पहली छमाही में ही टेस्ला ने अपने मॉडल वाय के साथ भारतीय बाजार में दस्तक दी, जिसने माहौल को और गरमाया। इसके बाद हुंडई क्रेटा ईवी, टाटा हैरियर ईवी, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी, हुंडई वेन्यू ईवी और महिंद्रा की नई क्ष्ध सीरीज जैसे कई मॉडल लॉन्च हुए।

पेट्रोल कारों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक : गुजरात भारत का ऑटोमोटिव हब बनकर उभरा

*** वित्त वर्ष 2022-23 में गुजरात के ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का भारी निवेश**

अहमदाबाद।

भारत में ऑटोमोटिव क्रांति में गुजरात की अहम भूमिका रही है। अपनी रणनीतिक स्थिति, मज़बूत बुनियादी ढाँचे और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण, गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में ऑटो कंपनियों की पहली पसंद बन गया है। उत्तर गुजरात की बात करें तो आज सुजुकी मोटर्स गुजरात के कारण यह क्षेत्र भारत में अग्रणी ऑटोमोटिव विनिर्माण केंद्रों में से एक बन गया है। सुजुकी मोटर्स गुजरात ने 7.5 लाख कार इकाइयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ गुजरात को एक वैश्विक ऑटो हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सफलता को वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) 9-10 अक्टूबर, 2025 को मेहसाणा में आयोजित किया जाएगा। गुजरात में ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने 2012 से 2015 के बीच वैश्विक निवेशकों को आकर्षित किया। 2014 में, सुजुकी ने राज्य में एक मेगा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और गुजरात के ऑटो क्षेत्र को गति मिली। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे रोज़गार के अपार अवसर पैदा हुए हैं। आज, सुजुकी मोटर का गुजरात प्लांट भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माण संयंत्रों में से एक है। इस संयंत्र ने मेहसाणा के आसपास के ऑटो कंपोनेंट उद्योग में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया है।

इतना ही नहीं, सुजुकी मोटर्स गुजरात ने भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 32 अरब रुपये का निवेश करके चौथी उत्पादन लाइन स्थापित करने की भी घोषणा की है। अपने मज़बूत बंदरगाह बुनियादी ढाँचे के कारण, गुजरात वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक रणनीतिक निर्यात केंद्र बन गया है। 2024 में, गुजरात ने दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और चिली सहित कई देशों को लगभग रु. 3,459 करोड़ मूल्य के ऑटोमोबाइल निर्यात किए। इसके अतिरिक्त, गुजरात ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का महत्वपूर्ण निवेश दर्ज किया, जो पिछले पाँच वर्षों में 16.4% की मज़बूत CAGR दर्शाता है। यानी निवेश 16.4% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर खरीदने का आज आखिरी दिन, कल मिलेगा डिविडेंड

नई दिल्ली।

सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी की उम्मीद है। वजह यह है कि आज आखिरी दिन है जब निवेशक शेयर खरीदकर कंपनी के अंतिम डिविडेंड के हकदार बन जाएंगे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.15 प्रति शेयर का डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड पाने के लिए 21 अगस्त गुरुवार की तारीख तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें डिविडेंड दिया जाएगा।

कोल इंडिया अपनी 51वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त को करेगी। एजीएम में डिविडेंड को मंजूरी मिलने के बाद कंपनी 30 दिनों के अंदर यह भुगतान करेगी। यह सिफारिश पहले 7 मई 2025 को बोर्ड बैठक में की गई थी।

अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कोल इंडिया का शुद्ध मुनाफा 10,943.55 करोड़ रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के बराबर है। कंपनी की कुल आय घटकर 37,458.05 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही में 39,388.47 करोड़ थी।

बिक्री घटकर 31,880.43 करोड़ पर आ गई, जो क्यू1 2025 में 33,170.13 करोड़ थी। वहीं खर्च बढ़कर 25,893.12 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 25,326.66 करोड़ था।

19 अगस्त को एनएसई पर कोल इंडिया का शेयर 385.90 पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 0.49 फीसदी कम है। कंपनी का मार्केट कैप फिलहाल 2.38 लाख करोड़ है और यह बीएसई 100 इंडेक्स का हिस्सा है।

मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधान को फिर से लागू करने पर विचार कर रही सरकार

इसका मकसद होगा कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें

नई दिल्ली।

सरकार जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधार के बाद मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को कुछ समय के लिए फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में एक सरकारी अधिकारी के वाले से जानकारी दी गई है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें। अधिकारी ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया है कि केंद्र सरकार बाजार से संचालित मूल्य निर्धारण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अनुचित मुनाफाखोरी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर कंपनियां कर दरों में कमी के अनुरूप अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम नहीं करेंगी तो ऐसा हो सकता है। हम दो साल तक मुनाफाखोरी-रोधी उपायों को लागू करने की योजना बना रहे हैं ताकि कारोबारी दरों में कमी के लाभ को अपनी जेब में न रखें।

बता दें मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को सबसे पहले 2017 में लागू किया गया था। उस समय जीएसटी ने कई अप्रत्यक्ष करों को बदल दिया था और कई वस्तुओं पर कर की दरें कम हो गई थीं। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 171 के तहत लाए गए इन नियमों का उद्देश्य यह तय करना था कि कारोबारी कर की दरों में कमी और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। समय के साथ-साथ इसका दायरा एमआरपी से आगे बढ़कर एफएमसीजी, आतिथ्य सेवा और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगातार दर में कटौती और आईटीसी लाभों को कवर करने तक विस्तृत किया गया।

सरकार ने इन नियमों के साथ मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) की स्थापना भी की थी। इसका काम उन कंपनियों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना था जो कर की कम दरों का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रही थीं।

इसके अलावा किसी भी अनियमित एवं अनुचित मुनाफाखोरी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण (एनएए) का गठन किया गया था। दिसंबर 2022 में एनएए के विघटन के बाद भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को ही मुनाफाखोरी-रोधी मामलों को संभालने की जिम्मेदारी दी गई। अक्टूबर 2024 से यह क्षेत्राधिकार जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) दिल्ली के प्रधान पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया।

ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक साल 2027 में अपनी बहुप्रतीक्षित ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी। यह बाइक 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार मात्र दो सेकंड में पकड़ सकती है। इसमें ओला का विशेष मूव ओएस ऑपरेटिंग सिस्टम, सेल्फ-ड्राइविंग फीचर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए कृत्रिम सिलिकॉन मिलेगा, जिससे यह पूरी तरह स्मार्ट मशीन बन जाएगी। इसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये तक हो सकती है। ओला डायमंडहेड को हल्के लेकिन बेहद मजबूत एयरो लाइट मटेरियल से बनाया गया है, जिसमें एक्टिव एयरोडायनेमिक्स तकनीक दी गई है। यह न केवल हवा के प्रवाह को नियंत्रित करके बाइक को तेज गति से चलने में मदद करती है, बल्कि स्थिरता भी बनाए रखती है।

बेहतर नियंत्रण के लिए इसमें हब-सेंटर्ड स्टीयरिंग लगाया गया है, जो फुल स्पीड पर भी राइड को संतुलित रखेगा। यह ई-बाइक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) से लैस होगी, जिसमें रियल-टाइम अलर्ट, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। राइडर को एक स्मार्ट एआर हेलमेट भी मिलेगा, जो सड़क और ट्रैफिक की सटीक जानकारी प्रदान करेगा।

लंबी दूरी की राइड के लिए इसे एक्टिव एर्गोनॉमिक्स के साथ डिजाइन किया गया है। सड़क की स्थिति के अनुसार इसका सस्पेंशन अपने आप एडजस्ट होगा। राइडर के स्वास्थ्य और राइड डेटा पर नज़र रखने के लिए स्मार्ट वियरेबल्स भी उपलब्ध रहेंगे। साथ ही एक्सट्रीम फास्ट चार्जिंग तकनीक इसे कुछ ही मिनटों में चार्ज कर देगी।

ओला का कहना है कि डायमंडहेड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य को परिभाषित करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुलदीप वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, महाराज फिर शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। महाराज ने केर्न्स में तीन मैच की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे। कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं।

भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं।

पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्कराम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (तीन स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) और जोश हेजलवुड (दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) ने महत्वपूर्ण सुधार किया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा 44वें स्थान से 37वें स्थान पर पहुंच गए।

डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की होने के बाद ब्रसेल्स में नहीं खेलेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डायमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की करने के बाद भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस प्रतिष्ठित सीरीज के शुक्रवार को बेल्जियम के ब्रसेल्स में होने वाले अंतिम चरण में हिस्सा नहीं लेंगे। डायमंड लीग की 14 प्रतियोगिताओं में से चार में पुरुष भाला फेंक को जगह मिली है।

नीरज ने सिर्फ दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया लेकिन स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 28 अगस्त को होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। इस भारतीय खिलाड़ी ने 16 अगस्त को सिलेसिया चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। भारत के 27 वर्षीय गत विश्व चैंपियन नीरज ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास के साथ 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार किया था लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

उन्होंने इसके बाद जून में 88.16 मीटर के प्रयास से पेरिस डायमंड लीग का खिताब जीता। ब्रसेल्स चरण के बाद शीर्ष छह खिलाड़ी ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स में जगह बनाएंगे। नीरज ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक के रूप में खेला था जहां उन्होंने 86.18 मीटर के प्रयास के साथ अपनी मेजबानी में हुआ टूर्नामेंट जीता था।

कुल मिलाकर नीरज ने मौजूदा सत्र में अब तक छह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया जिसमें से चार में उन्होंने खिताब जीता जबकि दो में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा तोक्यो में 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे।

पिछले टी20 विश्वकप के बाद से ही टीम में आये कई बदलाव

–कई दिग्गज खिलाड़ी इस बाहर शामिल नहीं किये गये

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही भारतीय टीम में काफी बदलाव आया है। अब एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें काफी अंतर नजर आया है। टीम में रोहित शर्मा , विराट कोहली से सहित कई खिलाड़ी इस बार नहीं हैं। । भारतीय टीम टीम का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई ने यूएई में नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, इसके बावजूद कई बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। भारतीय टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व खिताब जीता था। रोहित की कप्तानी में भारतीयस टीम ने 17 साल बाद ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि चैंपियन बनने के साथ ही रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारतीय टीम टी20 प्रारूप में बड़े टूर्नामेंट में खेलने उतरेगी, ऐसे में दोनों टीमों की तुलना की जाए तो कई खिलाड़ी भारतीय दल में जगह नहीं बना पाए हैं।

टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में रोहित शर्मा कप्तान थे, जबकि हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाया गया था पर करीब एक साल बाद एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव कप्तान हैं और शुभमन गिल उपकप्तान बनाए गए हैं। बता दें शुभमन पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में थे।

पिछले टी20 विश्व कप और एशिया कप दल की तुलना की जाए, तो विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया है। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी स्क्वॉड में शामिल नहीं है। ऋषभ चोट के कारण टीम से बाहर हैं। जबकि सिराज को आराम दिया गया है। वहीं चहल को हटाया गया हैं, जबकि जायसवाल स्टैंबाय की सूची में हैं। टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने कुल पांच टी20 सीरीज खेली है, जिसमें चार में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की है। रोहित के संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान चुना गया था। हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में आराम दिए जाने के कारण शुभमन गिल ने टीम की कमान संभाली थी।

'संजू सैमसन की जगह खतरे में है': एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम चयन पर बोले अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगले महीने से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 के लिए शुभमन गिल को टीम में शामिल किए जाने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन की प्लेइंग इलेवन में जगह 'थोड़ी खतरे में' है। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया की घोषणा मंगलवार को की गई, जिसमें सूर्यकुमार कप्तानी करेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे, जबकि कई बड़े नाम टीम में नहीं हैं। टीम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई जिसमें टी20 कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी शामिल थे।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एक चयन बैठक के बाद आयोजित की गई थी, जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया भी शामिल थे। अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'मुझे ओरों से भी ज्यादा दुख इस बात का होगा कि आपने उन्हें उप-कप्तान घोषित कर दिया है इसलिए संजू सैमसन की जगह थोड़ी खतरे में है। बात पक्की हो चुकी है। संजू नहीं खेलेंगे क्योंकि शुभमन गिल खेलेंगे। अगर आपको गिल को खिलाना है, तो

आपको उन्हें तीसरे नंबर पर खिलाना होगा, और संजू ओपनिंग करेंगे लेकिन ऐसा भी नहीं होने वाला है।'

सैमसन ने भी अच्छी वापसी की और अभिषेक के साथ भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में एक नया जीवन पाया। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से उन्होंने 31 टी20 मैचों और 30 पारियों में 33.62 की औसत और 157.09 के स्ट्राइक रेट से 908 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

संजू सैमसन की जगह जितेश शर्मा को बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है जिन्होंने टीम इंडिया के लिए टी20आई ओपनर के रूप में लगातार तीन शतक लगाकर अपनी नई पहचान बनाई है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार पिछले साल जनवरी में टी20आई खेला था जिसमें उन्होंने 9 मैचों की 7 पारियों में 14.28 की औसत से 100 रन बनाए थे।

इस साल की शुरुआत में जितेश ने केवल 33 गेंदों पर आठ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से नाबाद 85 रनों की तूफानी पारी खेलकर ऋष्क्क को इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज हासिल करने में मदद की थी जिसमें उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ आठ गेंद शेष रहते 228 रनों के मुश्किल लक्ष्य को हासिल किया था।

विकेटकीपर-बल्लेबाज की तारीफ करते हुए अश्विन ने कहा, 'मैं जितेश शर्मा के लिए बहुत खुश हूं, जितेश शर्मा ने अच्छी जगह हासिल की है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए LSG के खिलाफ एक शानदार पारी खेली और उनके लिए अहम भूमिका निभाई। हमेशा याद रखें, भारत के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर कौन थे? एमएस धोनी और युवराज सिंह, कभी-कभी। फिर हार्दिक पांड्या रहे हैं, इसलिए फिनिशिंग कोई आसान काम नहीं है। आपको फिनिशिंग करने की ताकत होनी चाहिए।'

पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, 'आपको अपनी इच्छानुसार चौके और छक्के लगाने की आदत होनी चाहिए। आपको हिसाब-किताब का राज अपने दिमाग में रखना होगा। आपको चतुर होना चाहिए और हिसाब-किताब करना आना चाहिए। इस लिहाज से जितेश शर्मा ने एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में बहुत मुश्किल परिस्थितियों में भूमिकाएं निभाई हैं। इसलिए मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में प्रवेश करेगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। यदि भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। यदि भारत दूसरे स्थान पर रहता है, तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई में फाइनल होगा जो 28 सितंबर को है।

एडम जम्पा को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगी फटकार

दुबई । ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को मंगलवार को केर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है । जम्पा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते पाया गया, जो' अंतररष्ट्रीय मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लीलता के प्रयोग 'से संबंधित है । इसके अलावा जम्पा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था । यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 37वें ओवर में हुई, जब जम्पा ने अपनी गेंद पर मिसफील्ड और ओवरथ्रो के बाद अनुचित भाषा का प्रयोग किया, जिसे स्टंप के माइक्रोफोन पर रिकॉर्ड किया गया और प्रसारित किया गया । जम्पा ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी । मैदानी अंपायर क्रिस गैफनी और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर डोनोवन कोच ने आरोप लगाए । स्तर 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं ।

पाकिस्तान से मैच के सवाल पर बीसीसीआई मैंनेजर बोले, चयन से जुड़ा सवाल ही पूछें

मुम्बई । एशिया के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के चयन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता के दौरान एक सवाल से चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर और भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव असहज हो गये। इस पत्रकार ने पूछा कि वर्तमान समय के तनावपूर्व माहौल में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच को खेलेगी या नहीं । ऐसे में अगरकर और सूर्यकुमार जवाब देते इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मीडिया मैनेजर ने कहा, 'रुकिए अभी आप चयन से जुड़ा हुआ कोई सवाल ही पूछ सकते हैं अन्य सवाल नहीं।' गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर प्रशंसकों का विरोध बढ़ता रहा है । कई लोग इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहा है । उनका कहना है कि जिस प्रकार पाक ने पहलगाल में आतंकी हमला कराया उसको देखते हुए पाक से कोई मैच नहीं खेलना चाहिये । संसद में भी यह मामला उठा है । कई सांसदों ने इस मैच को रद्द करने की मांग की है । पहलगाम हमले के बाद भारतीय टीम ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसके तहत ही भारत ने पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी अड्डों पर हमले किये थे जिसमें कई आतंकी मारे गये थे । जिसके बाद पाक सेना ने भारत पर ड्रोन हमले किये थे जो भारतीय एयर डिफेंस ने नष्ट कर दिये थे । हाल ही में रिटायर्ड क्रिकेरों की लीग में भी इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से मैच का बहिष्कार किया का ।

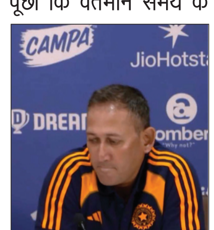

एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

FIH हॉकी विश्वकप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट में भारत को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा, उसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाकिस्तान से भिड़ेगा।

इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम की कप्तान करेंगे। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी

भरोसेमंद कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह भी शामिल होंगे, जो रक्षात्मक पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे।

मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह शामिल हैं। आक्रमण की अगुवाई मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह करेंगे, जो विपक्षी डिफेंस को परेशान करने के लिए भरपूर क्षमता प्रदान करेंगे। इस बीच, नीलम संजीव जेस और सेल्वम कार्ति को वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। टीम चयन को लेकर भारतीय पुरुष टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हमने एक अनुभवी टीम चुनी है जो समझती है कि उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करना होता है। एशिया कप हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है, इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी जिनमें धैर्य, लचीलापन और प्रदर्शन करने का हुनर हो। यह चयन हमारी मंशा को दर्शाता है एक ऐसी टीम तैयार करना जो मजबूती से मुकाबला कर सके और हमारे मुख्य उद्देश्य को हासिल कर सके।'

पाकिस्तान की हॉकी टीम एशिया कप के लिए भारत नहीं आएगी, एशियाई हॉकी महासंघ ने की पुष्टि

नई दिल्ली - पाकिस्तान की हॉकी टीम बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से शुरु होने वाले आगामी एशिया कप में भाग लेने के लिए भारत नहीं आएगी । एशियाई हॉकी महासंघ (।।स्न) ने मंगलवार को पुष्टि की है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम आगामी एशिया कप 2025 में भाग लेने के लिए भारत नहीं आएगी । पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) और AHF दोनों को सूचित कर दिया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसे भारत में टीम भेजना मुश्किल होगा । 29 अगस्त से सात सितंबर तक चलने वाली इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए पाकिस्तान की जगह बंगलादेश को चुना गया है । पाकिस्तान तीन बार एशिया कप हॉकी चैंपियन रहा है जिसने 1982 और 1989 के बीच खेले गए पहले तीन संस्करण जीते हैं । एशिया कप 2025 की चैंपियन टीम को नीदरलैंड और बेल्जियम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले 2026 एफआईएच हॉकी विश्वकप के लिए भी सीधा प्रवेश मिलेगा ।

एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड को दिलाई जीत

मैड्रिड । काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1–0 से जीत दर्ज की । पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई । एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा । उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे । रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की । बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3–0 की आसान जीत दर्ज की थी । पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था । ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था ।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक : प्रस्तावित प्रतिबंध से क्रिकेट उद्योग को लग सकता है झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को पेश किए गए 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025' 'वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म' का अंत कर सकता है जिनकी भारतीय खेलों, विशेषकर क्रिकेट के प्रायोजन बाजार में हिस्सेदारी है। इस विधेयक का उद्देश्य तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक को विनियमित करना है जो देश के ई-स्पोर्ट्स जगत के लिए एक सुखद खबर है। लेकिन अरबों डॉलर के 'फैंटेसी गेमिंग' उद्योग के राजस्व में भारी गिरावट देखी जा सकती है जिसमें क्रिकेट के प्रायोजन में बड़ी रकम खर्च करने वाली कंपनियां शामिल हैं।

एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में यह खेल प्रायोजन बाजार को भी प्रभावित कर सकता है जिसमें व्यक्तिगत खिलाड़ियों का प्रायोजन और कबड्डी तथा फुटबॉल जैसे खेलों की फ्रैंचाइजी आधारित घरेलू लीग शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक में एक नियामक संस्था बनाने की बात है जो ई-स्पोर्ट्स, एजुकेशनल गेमिंग, सोशल और कैजुअल गेमिंग और पैसे के वास्तविक लेनदेन की गेमिंग चार विविध क्षेत्रों को देखेगी। दस्तावेज के अनुसार इनमें से 'ऑनलाइन मनी गेम्स' पर प्रतिबंध लगेगा।

'प्रतिबंध' अनुच्छेद के अनुसार : 'कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेम और ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा की पेशकश में सहायता, प्रोत्साहन, प्रेरित करने या अन्यथा इसमें शामिल नहीं होगा।' इसमें कहा गया, 'कोई भी बैंक, वित्तीय संस्थान, या वित्तीय लेनदेन या धन के प्राधिकरण की सुविधा देने वाला कोई अन्य व्यक्ति किसी भी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा के भुगतान के लिए धन के किसी भी लेनदेन या प्राधिकरण में संलग्न नहीं होगा, सहायता नहीं करेगा, प्रेरित नहीं करेगा या अन्यथा सुविधा नहीं देगा।'

सरकार स्पष्ट करती है कि वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं और इसके लिए किसी प्रकार के नियमन की आवश्यकता है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है और भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है।

ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे। माई11 सर्कल ने आईपीएल फैंटेसी गेमिंग अधिकार पांच वर्षों के लिए 625 करोड़ रुपए (लगभग 125 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) में खरीदे। इसके अलावा देश के शीर्ष क्रिकेटरों (पूर्व और वर्तमान) के विभिन्न वास्तविक धन वाले गेमिंग प्लेटफार्म के साथ भारी-भरकम व्यक्तिगत विज्ञापन करार हैं।

इस विषय की गहरी समझ रखने वाले जाने-माने खेल वकील विदुषपत सिंघानिया ने इसके परिणामों को संक्षेप में समझाया। उन्होंने कहा, 'भारत में क्रिकेट बहुत बड़ा है और भारतीय क्रिकेट और उसकी संपत्तियों के लिए प्रायोजकों की कोई कमी नहीं होगी। हालांकि इस विधेयक के कारण व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार सिकुड़ सकता है।' सिंघानिया ने बताया, 'इसके अलावा प्रशंसकों की भागीदारी भी प्रभावित होगी।' हालांकि उन्होंने कहा कि फैंटेसी गेम्स अभी भी 'सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल' पर चल सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'एक 'सब्सक्रिप्शन' शुल्क होगा। मान लीजिए कि आप किसी गेमिंग ऐप के लिए 100 रुपए का भुगतान करते हैं और फैंटेसी गेमिंग में अपने कौशल को देखते हैं। लेकिन वास्तविक धन वाली गेमिंग इस विधेयक के अनुसार प्रतिबंधित है जिसमें पैसे देकर कमाई की जाती है।' इन सभी फैंटेसी गेमिंग ऐप का इतना विशाल राजस्व स्रोत प्रतिबंध के कारण निश्चित रूप से कम हो जाएगा और इसलिए खेल में वापस आने वाला पैसा भी काफी कम हो जाएगा। लेकिन ईस्पोर्ट्स बाजार के लिए यह खुशी की बात है।

ईस्पोर्ट्स ने 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में अपनी शुरुआत की और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति 2027 में रियाद में अपना पहला ईस्पोर्ट ओलंपिक आयोजित करेगी। इस पर अपने विचार साझा करते हुए 'नोडविन

गेमिंग' के सह संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षत राठी कहते हैं, 'ईस्पोर्ट्स को मान्यता देने और बढ़ावा देने का सरकार का इरादा एक उत्साहजनक कदम है। हालांकि इस दृष्टिकोण को वास्तव में साकार करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विधेयक में प्रयुक्त शब्दावली विशेष रूप से ईस्पोर्ट्स, ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन सोशल गेमिंग और ऑनलाइन मनी गेमिंग के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए और समान रूप से समझा जाए।'

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, सुब्रायन की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई

केन्र्स । दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई है । बुधवार को एक बयान में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने कहा कि केन्र्स में मैच अधिकारियों की रिपोर्ट में सुब्रायन के गेंदबाजी एक्शन की वैधता पर चिंता व्यक्त की गई है । आईसीसी ने कहा, 'सुब्रायन के गेंदबाजी एक्शन की वैधता का पता लगाने के लिए द्वष्ष्ट द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में उनके गेंदबाजी एक्शन का स्वतंत्र मूल्यांकन किया जाएगा।' सुब्रायन ने कैजलिस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 50 ओवर के अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण किया जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 98 रनों के विशाल अंतर से जीता। 31 वर्षीय सुब्रायन ने 10 ओवर फेंके और 46 रन देकर एक विकेट लिया और ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड का विकेट लिया जो क्रीज पर तेजी से दौड़ने की कोशिश में स्टंप आउट हो गए । सुब्रायन ने इसी साल बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए थे और दक्षिण अफ्रीका ने पारी और 236 रनों से जीत हासिल की थी । यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वे पहले से ही अपने तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा के बिना खेल रहे हैं, जो दाहिने टखने में सूजन के कारण तीन मैचों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

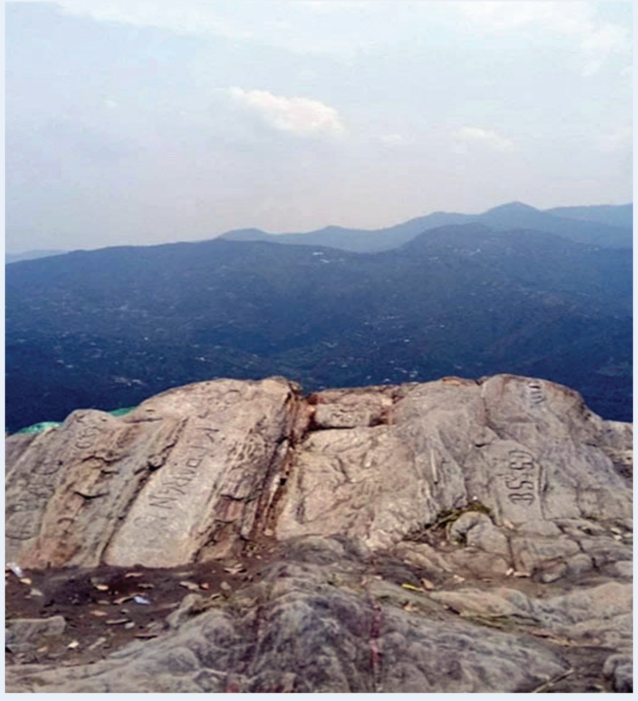

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैंपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौल्टी को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप चाहें को वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरनीगढ़

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है बनीरगढ़

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान

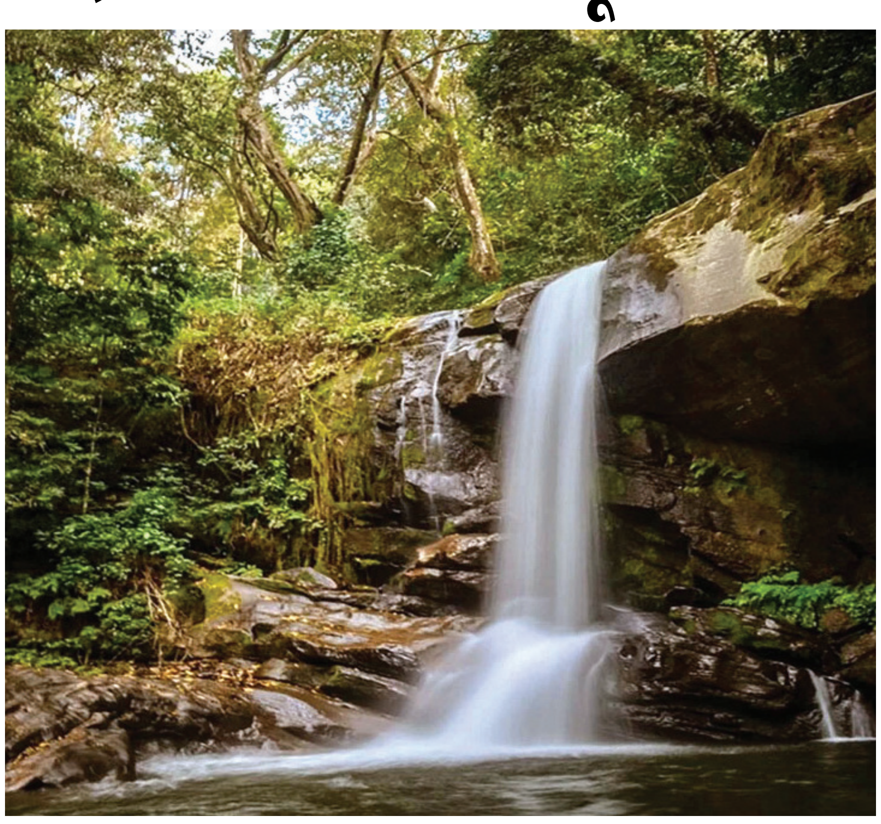

जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलैक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सर्दियों में अक्तूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौंकाता है।

इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

जनाक्रोश से सामने झुकी सैनी सरकार.... शिक्षिका मनीषा की मौत की जांच सीबीआई को सौंपी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायाब सैनी सरकार ने 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा की मौत के मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। यह फैसला व्यापक जनाक्रोश और पीड़ित परिवार की मांग के बाद लिया गया है। दरअसल 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा 11 अगस्त को लापता हुई थीं। उनका शव 13 अगस्त को भिवानी के एक खेत में मिला। पुलिस ने शुरुआत में दावा किया कि मनीषा ने जहर खाकर आत्महत्या की है। पुलिस को शव के पास एक सुसाइड नोट भी मिला था। मनीषा के पिता संजय ने पुलिस के निष्कर्ष को खारिज कर कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। उन्होंने न्याय की मांग कर शव का अंतिम संस्कार करने से भी मना किया था। इस मामले को लेकर भिवानी और आसपास के इलाकों में भारी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर दिया और सीबीआई जांच की मांग की। विपक्षी दलों ने भी मामले में हरियाणा सरकार की आलोचना कर कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पोस्ट में बताया कि परिवार की मांग के आधार पर यह मामला अब सीबीआई को सौंपा जा रहा है ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। इससे पहले, मंगलवार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भिवानी और चरखी दादरी जिलों में 48 घंटों के लिए मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था।

सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभी दवा की दुकानों में सीसीटीवी कैमरे को अनिवार्य किया गया है। दिल्ली के दक्षिणी जिला मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया है। राष्ट्रीय राजधानी की सभी फार्मेसी और मेडिकल शॉप में सीसीटीवी कैमरे को अनिवार्य किया गया है। न्यायालय द्वारा बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा दिए जाने पर तथा दवाओं की अवैध बिक्री पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी फुटेज को जिला ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी, उप मंडल मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा किसी भी समय निरीक्षण किया जा सकता है।आदेश का सख्ती से पालन हो, इसके लिए आदेश जारी किए गए हैं।

किसी महिला की तस्वीरें लेना...पीछा करने के अपराध की परिभाषा में नहीं आता

-हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने मामले में अग्रिम जमानत दी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी महिला की तस्वीरें लेना पीछा करने के अपराध की परिभाषा में नहीं आता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश राकेश कैंथला ने मामले में अग्रिम जमानत देकर कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 के तहत उस शख्स को दंडित कर सकते है, जो किसी महिला का पीछा करता है। परिभाषा के तहत दोष सिद्धि के लिए पीड़िता द्वारा स्पष्ट रूप से अरुचि के संकेत के बावजूद बार-बार व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने के लिए होना चाहिए। यदि किसी महिला द्वारा इंटरनेट, ईमेल या अन्य प्रकार के इलेक्ट्रानिक संचार के उपयोग की निगरानी का आरोप लगाया गया हो, तब भी यह दंडनीय अपराध है, लेकिन किसी की तस्वीरें लेना प्रथम दृष्टया में पीछा करने के अपराध की परिभाषा को पूरा नहीं करता है। हाई कोर्ट ने कहा कि शिकायत में आरोप यह नहीं दिखाते हैं कि आरोपित ने शिकायतकर्ता की पत्नी का पीछा किया था और व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने के लिए महिला से संपर्क किया था। एकमात्र आरोप यह है कि याचिकाकर्ता ने शिकायतकर्ता की पत्नी की तस्वीरें ली थीं। प्रथम दृष्टया में ये आरोप पीछा करने की परिभाषा को पूरा नहीं करते हैं। कोर्ट ने जमानत याचिका को स्वीकार कर कहा कि स्टेटस रिपोर्ट भी यह नहीं दिखाती है कि प्रार्थी से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसलिए प्रार्थी को हिरासत में रखने से कोई सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

कुत्ते पिटबुल के हमले में 55 वर्षीय करुणाकरण की मौत... कुत्ते ने उनके गुप्तांग को काट लिया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में विदेशी नस्ले के कुत्ते पिटबुल के हमले में 55 वर्षीय करुणाकरण की मृत्यु हुई है। यह घटना जाफरखानपेट इलाके की है, यहां एक पिटबुल कुत्ते ने करुणाकरण पर हमला किया। कुत्ते ने उनके गुप्तांग को काट लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त कुत्ता बिना पट्टे के था और उसकी मालकिन, जिसका नाम पूंगोडी है, कुत्ते को टहला रही थी। जब मालकिन ने करुणाकरण को बचाने की कोशिश की, तब कुत्ते ने उन्हें भी काट लिया, जिससे वह घायल हो गईं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद लापरवाही के आरोप में महिला को गिरफ्तार किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने कुत्ते को पकड़ लिया है। उन्होंने पहले भी महिला को कुत्ते को बिना पट्टे के टहलाने से मना किया था, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं सुनी। इस घटना के बाद चेन्नई नगर निगम ने सख्त रुख अपनाकर खतरनाक कुत्तों का मुंह बांधकर रखने का आदेश दिया है। इस मामले ने कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं को एक बार फिर से उजागर किया है, खासकर तब जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया है।

हरियाणा में साइबर अपराध के खिलाफ 91 बैंक शाखाओं पर एक्शन की तैयारी में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर प्रदेश की 91 बैंक शाखाओं की पहचान हुई है, यहां साइबर अपराधी कथित म्यूल अकाउंट के द्वारा भारी लेन-देन कर रहे हैं। इसमें गुरुग्राम की 26 और नूंह की 24 शाखाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दरअसल म्यूल अकाउंट ऐसा बैंक खाता होता है जिसका इस्तेमाल अपराधी अवैध धन को सफेद करने के लिए करते हैं। पुलिस के अनुसार, इन शाखाओं में बैंक केवाईसी नियमों की अनदेखी, खाते खोलने में प्रक्रियागत लापरवाही और बैंककर्मियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

चीन का दावा खारिज करते हुए बोला भारत, ताइवान पर नहीं बदला रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की व्यापक द्विपक्षीय बैठक के बाद चीन के विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में किए गए भारत के 'वन चाइना सिद्धांत (ताइवान को चीन का हिस्सा मानना)' को समर्थन देने के दावे को भारत ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर खारिज कर दिया है। जिसमें कहा गया है कि ताइवान को लेकर नई दिल्ली के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को चीन की तरफ से उठाया गया था। जिस पर भारत ने अपना पक्ष रखते हुए साफ तौर पर कहा कि ताइवान के मामले पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। बाकी दुनिया की तरह ही भारत-ताइवान के संबंध भी आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर आधारित हैं। जिन्हें वह आगे भी जारी रखने का इच्छुक है। बैठक में भारत ने पाया कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान को सहयोग प्रदान कर रहा है। चीन के विदेश मंत्री बीते 18 अगस्त से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर थे। वर्ष 2020 के मध्य में भारत-चीन के बीच हुए एलएसी विवाद की समाप्ति के बाद उनकी यह पहली भारत यात्रा है। जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा एनएसए अजीत डोभाल से भी मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी चीन के विदेश मंत्री ने शिष्टाचार भेंट की। बताते चलें कि चीन के उक्त दावे के बाद अंतरराष्ट्रीय हलकों में मामले पर कयासबाजी काफी तेज हो गई थी। जिसके पीछे की एक बड़ी वजह ताइवान जलडमरूमध्य को लेकर बनी हुई संवेदनशीलता भी है। वहीं, इन सबके बीच सूत्रों ने कहा कि भारत ने अतीत में हालांकि वन चीन नीति का समर्थन किया था। लेकिन यह किसी द्विपक्षीय दस्तावेज में शामिल नहीं है। भारत और ताइवान के बीच औपचारिक रूप से कोई राजनयिक संबंध भी नहीं हैं। लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध तेजी से परवान चढ़ रहे हैं। वर्ष 1995 में नई दिल्ली ने इंडिया-ताइपे एसोसिएशन (आईटीए) की ताइपे में स्थापना की गई थी। जिसका उद्देश्य दोनों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक मेल मिलाप यानी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। आईटीए को सभी वाणिज्यिक और पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने का भी अधिकार दिया गया है। समान वर्ष के दौरान ही ताइवान ने भी नई दिल्ली में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की थी। 2010 के बाद से भारत ने संयुक्त बयानों में भी वन चाइना शब्द का उल्लेख करने से परहेज किया है।

धोखेबाज पाकिस्तान से संबंध सुधारने का कोई मतलब नहीं- शशि थरूर

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद शशि थरूर ने कहा है कि पाकिस्तान धोखेबाज हैं और भारत को उससे संबंध सुधारने के प्रयास नहीं किए जाना चाहिए। एक पुस्तक विमोचन समारोह में थरूर ने कहा कि बार-बार विश्वासघात झेलने के बाद पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में पहला कदम उठाने की भारत में अब इच्छा नहीं है। थरूर ने पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करके ईमानदारी दिखाने का आग्रह किया। थरूर ने कहा कि 2012 में आई उनकी किताब में कहा गया था कि अगर मुंबई जैसा एक और हमला हुआ, जिसमें पाकिस्तान के शामिल होने के सबूत मिले, तो 2008 में हमारी तरफ से दिखाया गया संयम दोबारा दिखाना असंभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों और छुट्टी मनाने गए मासूमों पर हुए हमले को कोई भी लोकतांत्रिक सरकार नहीं सहेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने हमलों के बाद काफी संयम दिखाया, लेकिन बाद में हुई उकसावे की कार्रवाई के बाद भारत के पास कोई रास्ता नहीं बचा और 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक्स की गईं और फिर ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उन्होंने कहा कि एक बार ऐसा ऐक्शन लिया गया, तो भारत भी कार्रवाई करेगा, लेकिन अब पहला कदम हम नहीं उठाएंगे। कांग्रेस सांसद ने 2008 मुंबई हमलों को लेकर कहा कि भारत ने पाकिस्तानी संलिप्तता के सबूत दिए थे, जिनमें लाइव इंटरसेप्ट्स और डोजियर शामिल थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी किसी मास्टरमाइंड के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

सीएसडीएस के खिलाफ एक्शन की तैयारी... कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के गलत आंकड़े पेश करने के मामले में अब सीएसडीएस यानी सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज पर एक्शन की तैयारी हैं। खबर है कि संस्था को इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। दरअसल सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार की ओर से बीते साल पेश किए गए आंकड़ों के बाद कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट फ्रॉड करने के आरोप लगाए थे। प्रोफेसर कुमार ने पहले कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच नासिक पश्चिम में मतदाताओं की संख्या में 47 प्रतिशत और हिंगना विधानसभा में 43 फीसदी का इजाफा हुआ था। उन्होंने दावा किया था कि रामटेक और देवलाली क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या क्रमशः 38 और 36 प्रतिशत गिर गई थी। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पोस्ट हटा लिया।

प्रोफेसर कुमार ने लिखा, महाराष्ट्र चुनाव के संबंध में किए गए पोस्ट को लेकर मैं माफी मांगता हूं। आंकड़े की तुलना करने में गलती हो गई थी। हमारी डेटा टीम की ओर से डेटा को ठीक से नहीं पढ़ा गया था। सोशल मीडिया पर से ट्वीट हटा लिया गया है। मेरा किसी भी प्रकार से गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था। आईसीएसएसआर के नोटिस में आया है कि आईसीएसएसआर फंडेड सीएसडीएस में जिम्मेदार पद पर बैठे एक व्यक्ति ने मीडिया में बयान दिए थे, जिन्हें महाराष्ट्र चुनाव के डेटा विश्लेषण का हवाला देकर वापस ले लिया गया था। इसके आगे संस्था ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे एसआईआर को लेकर पक्षपातपूर्ण मीडिया स्टोरीज प्रकाशित की। नोटिस में आगे कहा गया, आईसीएसएसआर भारती संविधान का सम्मान करता है। चुनाव आयोग उच्च संवैधानिक निकाय है, जो दशकों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव करा रहा है।

आईसीएसएसआर ने लिखा, आईसीएसएसआर ने सीएसडीएस की ओर से डेटा में की गई हेराफेरी और निर्वाचन आयोग की गरिमा को कम करने के इरादे से भ्रामक कहानी गढ़ने के प्रयास का संज्ञान गंभीरता से लिया है। यह आईसीएसएसआर के नियमों के खिलाफ है और संस्था को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा।

समस्याओं के निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा: शिवराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन, नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न पोर्टल और कॉल सेंटर पर आने वाली किसानों की शिकायतों की समीक्षा की।

इस बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि योजनाओं का निर्माण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उनका उचित कार्यान्वयन भी है। उन्होंने कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, उनका उचित निराकरण समय पर करने की व्यवस्था होनी चाहिए। व्यवस्था इतनी मजबूत होनी चाहिए कि जब किसान भाई-बहन इन पोर्टल्स के माध्यम से हमसे संपर्क करें, तब उन्हें भरोसा हो कि उनकी समस्याओं का निराकरण जरूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था यदि सही ढंग से नहीं चलती हो और खानापूर्ति मात्र रहे तो उसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो पाती, इसलिए व्यवस्था को और सरल तथा मजबूत करना होगा, ताकि हमारे किसान भाइयों-बहनों को इसका समुचित लाभ मिल सकें और उनका हर तरह से समाधान हो सकें। बैठक में किसानों की शिकायतों के सही निदान के तरीके और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने अधिकारियों से पी.एम. किसान पोर्टल, किसान ई-मित्र, किसान कॉल सेंटर सहित विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए मिल रही किसानों की समस्याओं की पूरी जानकारी ली और कहा कि अगले हफ्ते वे फिर से विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री इन शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। साथ ही, समय-समय पर किसानों से भी बात करके जानेंगे कि उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है या नहीं, ताकि वे पूरी तरह से संतुष्ट हो। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिसके बेहद सकारात्मक परिणाम मिले थे। समस्याओं के तत्काल और उचित निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की संतुष्टि ही हमारा मुख्य ध्येय है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने संदेश जारी करते हुए किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान भाइयों-बहनों से अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 18001801551 के जरिए रजिस्टर करवाने का आह्वान किया है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी भी शामिल हुए, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी देने के साथ ही अपने सुझाव भी दिए।

यह विधेयक कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट देता है : ओवैसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार के इस कदम को असंवैधानिक करार देकर भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है, यह विधेयक इस अधिकार के खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद औवेसी ने कहा कि यह विधेयक पूर्णता असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?... कुल मिलाकर, भाजपा सरकार विधेयकों के द्वारा हमारे देश को पुलिस राज बनाना चाहती है...हम इनका विरोध करने वाले हैं, भाजपा भूल रही है कि सत्ता शाश्वत नहीं होती। इस बीच, शाह बुधवार लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए। जिसमें संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 भी शामिल है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों से हिरासत में लिए गए केंद्रीय या राज्य मंत्री को हटाने का प्रावधान करता है।

राहुल गांधी और तेजस्वी पर गौरव वल्लभ का तंज... दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए

-दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2029 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री बनाने के ऐलान पर तंज कस दिया है। बीजेपी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी और तेजस्वी पर निशाना साधकर कहा कि दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे हैं। असल में दोनों के फ्यूज उड़े हुए हैं और बिना फ्यूज के मिसाइलें उड़ती नहीं हैं। बातें करने से कुछ भी हासिल नहीं होता है। भाजपा नेता ने दोनों नेताओं की योग्यता पर सवाल उठाकर वंशवाद को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

बता दें कि राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। उनकी यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव भी साथ हैं। यात्रा के दौरान नवादा में तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री बनाने की बात कही। उनके बयान पर अब भाजपा नेता ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, मैं दोनों को बताना चाहता हूं कि सिर्फ एक परिवार में पैदा होने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। मुख्य बात यह है कि इंदिरा-राजीव गांधी परिवार में पैदा होने के अलावा, आपकी योग्यताएं क्या हैं और राष्ट्र के प्रति आपका समर्पण क्या है? तेजस्वी की भी यही योग्यता है। दोनों एक-दूसरे का प्रचार करने में व्यस्त हैं।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्ष पर निशाना साधकर, वल्लभ ने संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखने के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में, अगर कोई उम्मीदवार नामित करता है, तब कोई समस्या नहीं है। हालांकि, मेरा मानना है कि कुछ संवैधानिक पद, जैसे अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति या राज्यसभा के सभापति, सर्वसम्मति से तय किए जाने चाहिए। लेकिन, विपक्ष इन पदों का भी राजनीतिकरण करना चाहता है।

मुंबई में तीसरे दिन भी जारी है भारी बारिश का दौर... स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में तेज बारिश का बुधवार को तीसरा दिन है। 24 घंटे में 300 एमएम बारिश हुई। लगातार तीसरे दिन मुंबई में स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद है। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा है।

मंगलवार शाम मुंबई में 2 मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू हुआ। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इसमें मौजूद 582 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से करीब 40-50 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किया गया।

इस घटना पर एमएमआरडी ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ था। रेल की मूल वजन क्षमता 104 टन है, जो मंगलवार को 109 टन हो गई थी। 5 टन ज्यादा वजन (यात्रियों का) हो गया था। वहीं, आचार्य अत्रे और वडाला मोनो रेल स्टेशन से भी 200 लोगों को निकाला गया था। मोनो रेल में सवार यात्री ने बताया कि बिजली और एसी बंद होने से डिब्बों में घुटन होने लगी थी। बाहर बारिश हो रही थी और अंधेरा बढ़ रहा था। सबसे डरावना पल तब था, जब ट्रेन खतरनाक ढंग से झुक गई थी, हम दुआ कर रहे थे कि जिंदा बाहर निकल जाएं।

मौसम विभाग ने महाराष्ट्र,गुजरात और गोवा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा तेलंगाना, बिहार में ऑरेंज अलर्ट और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड सहित 18 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मुंबई सिटी के अलावा उपनगर ठाणे, चंद्रपुर, रायगढ़ और रत्नागिरी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र में तेज बारिश होने की संभावना है।

कुल्लू में भारी बारिश से मची तबाही- 6 वाहन दबे, स्कूल-कॉलेज बंद, 356 सड़कों पर आवागमन ठप

शिमला/कुल्लू (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ से तबाही हो रही है। कुल्लू में सैकड़ों सड़के बंद है और शैक्षिक संस्थानों की भी छुट्टी करना पड़ी। करीब आधा दर्जन वाहन मलवे में दबे हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। कुल्लू शहर से दो किमी दूर शास्त्री नगर नाले में बीती रात को भारी बारिश के चलते करीब साढ़े 3 बजे अचानक फ्लैश फ्लड आ गया और तेज़ बारिश से आए इस सैलाब में नाले के किनारे खड़े 3 से 4 वाहन के अलावा दो बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। वहीं, मनाली और बंजार उपमंडल में भारी बारिश के चलते स्कूल-कॉलेज को बंद करने के आदेश दिए गए हैं। उधर, ऊना जिले के अंब और गगरेट में भी शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया है और बुधवार को यहां पर छुट्टी रहेगी।

फ्लैश फ्लड का मलबा नाले के आसपास बने कुछ मकानों में भी घुस गया, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिलेभर में रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे हालात चिंताजनक बने हुए हैं। दरअसल, चिकनई नाले में आधी रात को ऊपर पहाड़ पर अधिक बारिश होने की वजह से फ्लैश फ्लड आया। उधर, लैंडस्लाइड के चलते चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे बंद हो गया है। मंडी कटौला और कुल्लू वैक्लपिक मार्ग भी बंद है और इस वजह से अब कुल्लू और मनाली का संपर्क प्रदेश से कट गया है।

उधर, सुबह सुबह नगर परिषद से जुड़े लोग भी मौके पर पहुंचे। एक शख्स ने बताया कि शास्त्री नगर में रात को फ्लैश फ्लड आया था। उन्होंने कहा कि यहां पर ऊपर पहाड़ पर चिकनई गांव है और वहां पर बादल फटा है और इसी वजह से रात को नाले में फ्लड आ गया था। उन्होंने कहा कि लोग मिट्टी और कूड़ा नाले मे डंप कर रहे हैं और इस वजह से नाला ब्लॉक हो गया और फिर सड़क से होते हुए मलबा और पानी बहने लगा, जिससे कई गाड़ियां मलबे में दंबी हैं। मंडी पुलिस ने बताया है कि जिले में लगातार भारी बारिश और कई स्थानों पर पत्थर गिरने की घटनाओं के चलते औट-पंडोह मार्ग पर यातायात पूरी तरह से रोक दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हालात सामान्य होने के बाद ही यातायात को बहाल किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि वैकल्पिक मार्ग कटौला-कमांद भी सड़क की खराब स्थिति के कारण बंद है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है और ऐसे में मंडी पुलिस ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, लेन अनुशासन का पालन करें और मौके पर तैनात पुलिस व फील्ड स्टाफ के निर्देशों का पालन करें।

चंबा में 2 घंटे में दो बार भूकंप

बुधवार सुबह तड़के हिमाचल के चंबा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए। महज़ दो घंटे के भीतर दो बार धरती हिली। पहला झटका सुबह 3:27 बजे 3.3 तीव्रता का आया, जबकि दूसरा झटका 4:39 बजे 4.0 तीव्रता का दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र धर्मशाला और चंबा के बीच रहा और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर जमीन के भीतर बताई जा रही है। गनीमत रही कि दोनों ही झटकों से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

मूसलाधार बारिश से बेहाल पाकिस्तान, 700 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास की सबसे भयंकर मानसूनी बारिश का सामना कर रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जून के अंत से लगातार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक कम से कम 700 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 1,000 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की जानकारी के मुताबिक, 26 जून से अब तक हुई इन आपदाओं में मारे गए लोगों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं शामिल हैं। सभी प्रांतों में खैबर-पख्तूनख्वा (के-पी) सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 390 लोगों की जान गई है। इसमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं।

ट्रम्प बोले- गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए हमास को पूरी तरह खत्म करना होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि गाजा में बचे हुए बंधकों को रिहा कराने के लिए हमास को पूरी तरह खत्म करना होगा। उन्होंने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दिया। ट्रम्प ने कहा कि जितनी जल्दी हमास को खत्म किया जाएगा, सफलता की संभावना उतनी ज्यादा होगी। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उन्होंने पहले सैकड़ों बंधकों को इजराइल और अमेरिका में रिहा करवाया था। ट्रम्प ने जोर देकर कहा- मैं ही था जिसने सिर्फ 6 महीनों में 6 युद्ध खत्म किए। मैं ही था जिसने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को तबाह किया। जीतने के लिए खेलो, या बिल्कुल न खेलो।

ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने मंगलवार सुबह 6 बजे तक 10 चीनी सैन्य विमान और 6 नौसैनिक जहाजों की गतिविधि अपने आसपास दर्ज की। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से दो विमान ताइवान की उत्तरी वायु पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए और मध्य रेखा को पार कर गए। ताइवान ने कहा कि उसकी सेना ने स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी और आवश्यक प्रतिक्रिया दी। हाल के महीनों में चीन ने ताइवान के पास सैन्य गतिविधि तेज की है। ताइवान लगातार कहता रहा है कि ऐसे कदम क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को स्वतंत्र राष्ट्र कहता है। यह गतिविधि दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा रही है।

ब्रिटेन : हमले के बाद भारतीय मूल के चार युवकों पर मुकदमा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में हुए हथियारबंद हमले के मामले में भारतीय मूल के चार युवकों पर हिंसक उपद्रव का आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह बिल्स्टन के आर्बर ड्राइव में धारदार हथियारों से लैस लोगों के बीच झड़प हुई थी। हरदीप सिंह (28), हरप्रीत सिंह (25), मुकेश कुमार (30) और लखविंदर सिंह (26) को वॉल्वरहैम्पटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। झड़प में तीन लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से दो को जमानत पर रिहा किया गया है। चारों आरोपियों पर हिंसक उपद्रव, घायल करने और हथियार रखने का आरोप है। पुलिस ने घटनास्थल से एक बंदूक भी बरामद की है।

एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट की हड़ताल अवैध घोषित

कनाडा, एजेंसी। कनाडा औद्योगिक संबंध बोर्ड ने सोमवार को एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट्स की हड़ताल को अवैध घोषित कर दिया। उन्हें काम पर वापस लौटने का भी आदेश दिया। दरअसल, उन्होंने काम पर लौटने और मध्यस्थता के लिए प्रस्तुत होने के पहले के आदेश की अनदेखी की थी। कनाडा की सबसे बड़ी एयरलाइन की हड़ताल सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रही। एअर कनाडा ने रविवार को परिचालन फिर से शुरू करने की योजना स्थगित कर दी थी, क्योंकि यूनियन ने काम पर लौटने के आदेश की अवहेलना की और कहा कि कर्मचारी काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

नॉर्वे के राजकुमार होइबी पर 32 अपराधों में केस दर्ज, इनमें 4 रेप के मामले

लंदन, एजेंसी। नॉर्वे के 28 साल का राजकुमार मारियस बोर्ग होइबी इन दिनों यूरोप में सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसके पीछे जो वजह है, उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। राजकुमार होइबी पर रेप के चार मामलों के साथ-साथ कई यौन हिंसा के भी कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। होइबी यहां की राजकुमारी मेटे-मैरिट के बेटे हैं और राजसिंहासन के उत्तराधिकारी राजकुमार हाकोन के सौतेले बेटे हैं। पिछले एक साल से उनके खिलाफ पुलिस की जांच जारी थी। सोमवार को उन्?हें कोर्ट में पेश किया गया।

राजकुमार ने किए 32 अपराध : बदनाम प्रिंस पर बलात्कार, यौन उत्पीड़न और शारीरिक तौर पर नुकसान पहुंचाने के 32 अपराधों का आरोप हैं। चौंकाने वाले दावों में सेक?स के दौरान रेप का एक मामला, सेक?स के बिना दो मामले, यौन उत्पीड़न के चार मामले और शारीरिक क्षति के दो मामले शामिल हैं। सभी मामलों में, उसने महिलाओं पर सोते समय हमला किया। होइबी पर अपनी पूर्व पार्टनर नोरा हॉकलैंड के साथ दुर्व्यवहार और एक और गर्लफ्रेंड के

साथ हिंसक व्यवहार करने का भी आरोप है।

मामला बेहद गंभीर है

सोमवार को उनके खिलाफ अभियोग पेश करते हुए राज्य अटॉर्नी स्टर्ला हेनरिक्सबो ने कहा, यह मामला बेहद गंभीर है। करीबी संबंधों में रेप और हिंसा बेहद गंभीर अपराध हैं जो पूरी जिंदगी के लिए निशान छोड़ सकते हैं और जीवन को खत?म भी कर सकते हैं।

अभियोजक ने आगे कहा, मारियस बोर्ग होइबी शाही परिवार का सदस्य है, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि उसके साथ उतना हल्का या कठोर बर्ताव किया जाना चाहिए जितना कि इसी मामले के दूसरे दोषियों के साथ होते हैं।

अब होगी 10 साल की सजा

उन्होंने एनआरके को बताया कि जनवरी में छह हफ्ते की सुनवाई के बाद राजकुमार को दस साल की जेल हो सकती है। पिछले साल इस मामले के सामने आने के बाद होइबी को बलात्कार, हिंसा और आपराधिक क्षति के प्रारंभिक आरोपों के साथ बार-बार गिरफ्तार किया गया था। जांचकर्ताओं का कहना है कि सबूतों में टेक्स्ट संदेश, गवाहों के बयान और पुलिस तलाशी से मिली जानकारी शामिल है। सीबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, राजकुमार ने पूछताछ के दौरान पुलिस के साथ सहयोग किया। होइबी की कोई आधिकारिक सार्वजनिक भूमिका नहीं है और उनका जन्म उनकी मां के 2001 में नॉर्वे के शाही परिवार में विवाह से पहले हुआ था।

कैलिफोर्निया में इमिग्रेशन रोक के दौरान गोलीबारी

सैक्रामेण्टो, एजेंसी। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने बताया कि एक संघीय एजेंट ने उस वक्त गोली चलाई जब एक ड्राइवर ने इमिग्रेशन जांच के दौरान कार की खिड़की खोलने से इनकार कर दिया। साथ ही गाड़ी तेजी से भगाकर भाग गया। डीएचएस के मुताबिक, भागते वक्त उस ड्राइवर ने दो सीमा शुल्क और सीमा गश्ती (सीबीपी) एजेंटों को टक्कर मार दी। इसके बाद एक एजेंट ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। एजेंटों को चोट लगी या नहीं, इस बारे में डीएचएस ने कोई जानकारी नहीं दी। डीएचएस ने कहा कि वे एक लक्षित प्रवर्तन अभियान चला रहे थे, लेकिन यह नहीं बताया कि वे उस ड्राइवर को क्यों रोकना चाहते थे।

इमिग्रेशन अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन इनलैंड कोलिशन फॉर इमिग्रेंट जस्टिस के प्रमुख जेवियर हर्नांडेज ने बताया कि उन्होंने ड्राइवर के परिवार से बात की। 43 वर्षिय ड्राइवर मैक्सिको का रहने वाला है। पिछले 23 वर्षों से अमेरिका में रह रहा है, लेकिन उसके पास कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। गाड़ी में उसका 18 साल का बेटा और 23 साल का दामाद भी था, जो अमेरिकी नागरिक हैं।बता दें कि घटना का कुछ हिस्सा वीडियो में रिकॉर्ड हुआ है, जिसमें एजेंटों ने मास्क और पुलिस लिखी वर्दी पहन रखी है। एक एजेंट की टोपी पर सीबीपी लिखा हुआ है। डीएचएस ने बताया कि वे गाड़ी के पास आकर ड्राइवर से खिड़की नीचे करने को कहते हैं, लेकिन वह मना कर देता है।

भारतीय मूल की कृषांगी मेश्राम 21 साल की उम्र में ब्रिटेन की सबसे युवा सॉलिसिटर बनीं

वॉशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की विधि स्नातक कृशांगी मेश्राम हाल के वर्षों में इंग्लैंड और वेल्स की सबसे कम उम्र की सॉलिसिटर बन गई हैं। वह 21 वर्ष की हैं। पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ी और वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहीं सुश्री मेश्राम ने 15 वर्ष की आयु में मिल्टन कीन्स स्थित ओपन यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई शुरू की। उन्होंने 18 वर्ष की आयु में कानून में प्रथम श्रेणी ऑनर्स की डिग्री हासिल कर ली। सुश्री मेश्राम ने विश्वविद्यालय को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ÷मैं ओपन यूनिवर्सिटी की बहुत आभारी हूँ कि उसने मुझे 15 साल की उम्र में एलएलबी की पढ़ाई शुरू करने का मौका दिया। अपनी पढ़ाई के दौरान ही मैंने न सिर्फ़ अपने क़ानूनी करियर की अकादमिक नींव रखी, बल्कि क़ानून के प्रति एक गहरा और स्थायी जुनून भी पाया।÷ ओपन यूनिवर्सिटी ने इस सप्ताह के शुरू में ÷लॉ ग्रेजुएट कृशांगी ने एक बार फिर इतिहास रचा÷ शीर्षक से एक फीचर में उनकी उपलब्धि के बारे में बताया।

कृषांगी मेश्राम कौन हैं? : कृषांगी मेश्राम का जन्म पश्चिम बंगाल में हुआ और वे राज्य के इस्कॉन मायापुर समुदाय में पली-बढ़ीं। उन्होंने 15 साल की उम्र में मायापुर के एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की।

इसके बाद, उन्होंने ओपन यूनिवर्सिटी (ओयू) में कानून की डिग्री के लिए दाखिला लिया और तीन साल में अपनी डिग्री पूरी कर ली।

18 साल की उम्र में, उन्होंने प्रथम श्रेणी ऑनर्स डिग्री के साथ लॉ में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, और ओयू लॉ की अब तक की सबसे कम उम्र की स्नातक बन गई। 2022 में, उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय लॉ फर्म में नौकरी मिल गई।

उन्होंने हार्वर्ड ऑनलाइन में वैश्विक कार्यक्रमों में भी भाग लिया है और सिंगापुर में कार्य करते हुए पेशेवर अनुभव प्राप्त किया है। सुश्री मेश्राम वर्तमान में यूके और यूएई में कानूनी अवसरों की तलाश कर रही हैं। उनकी कानूनी रुचि के क्षेत्रों में फिनटेक, ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वसीयत व प्रोबेट जैसी निजी ग्राहक सेवाएँ शामिल हैं।

वह व्यवसायों और निजी मुवक्किलों के लिए कानूनी सेवाओं में विशेषज्ञता हासिल करना चाहती हैं। उनकी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा यूके या यूएई की अग्रणी कानूनी फर्मों के साथ काम करना है, जहाँ उनका ध्यान उभरती डिजिटल तकनीकों और मुवक्किल-केंद्रित कानूनी सेवाओं पर केंद्रित होगा।

न्यूयॉर्क के बार में फायरिंग, दो बदमाशों समेत तीन की मौत; वर्जिनिया में भी गोलीबारी, दो की जान गई, 3 जख्मी

न्यूयॉर्क / वर्जिनिया, एजेंसी। अमेरिका में रविवार और सोमवार को दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क सिटी और वेस्ट वर्जीनिया में हुई इन घटनाओं में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में हुई वारदात में दो फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है।

न्यूयॉर्क शहर के बार में फायरिंग : न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके के टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज बार में रविवार सुबह हुई फायरिंग में तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें दो हमलावर भी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि 35 वर्षीय जैमेल चाइल्ड्स और 19 वर्षीय मार्विन सेंट लुईस के बीच विवाद हुआ और कुछ देर बाद दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी। दोनों की अस्पताल में मौत हो गई। तीसरा मृतक 27 वर्षीय अमादू डायलो था, जिसे पुलिस ने निर्दोष और वारदात में शिकार स्थानीय बताया है।

वारदात में कुल 14 लोग घायल, कोई गंभीर नहीं : पुलिस के मुताबिक इस वारदात में कुल 14 लोग घायल हुए हैं, हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं है। पुलिस ने बताया कि इस वारदात में शामिल दो अन्य शूटर अभी भी फरार हैं। वहीं पुलिस ने मौके से 42 से ज्यादा खोखे और एक हथियार बरामद किया है। मामले में मेयर एरिक एडम्स और अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने सोमवार को पीड़ितों के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया और लोगों से हिंसा छोड़ने की अपील की।

वेस्ट वर्जीनिया में भी गोलीबारी की वारदात : वहीं दूसरी घटना सोमवार को वेस्ट वर्जीनिया के माउंट कार्बन इलाके में हुई। यहां दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक संदिग्ध हमलावर भी शामिल था। पुलिस ने बताया कि हमलावर अपने घर में मृत मिला और माना जा रहा है कि उसने खुद को गोली मार ली। जबकि पुलिस को पास के कारपोर्ट में एक और व्यक्ति का शव मिला। वहीं तीन अन्य लोग गोली के छर्रे लगने से घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

2007 के गौर नरसंहार की दोबारा जांच करे सरकार, नेपाल की सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2007 के गौर नरसंहार की जांच के लिए सरकार को अनिवार्य आदेश (मैंडमस) जारी किया। यह नेपाल के राजनीतिक इतिहास की सबसे हिंसक घटनाओं में से एक मानी जाती है। जस्टिस तिल प्रसाद श्रेष्ठ और जस्टिस नित्यानंद पांडे की बेंच ने आदेश जारी करते हुए कहा कि हत्याओं से जुड़ी शिकायतों में जिनके नाम शामिल हैं, उनकी जांच जरूर होनी चाहिए।

कोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, त्रिभुवन साह और अन्य ने चार जून 2023 को रौतहट के जिला पुलिस कार्यालय और जिला सरकारी वकील कार्यालय के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। याचिका में गौर नरसंहार की जांच की मांग की गई थी। यह 21 मार्च 2007 को रौतहट जिले के गौर स्थित राइस मिल मैदान में हुई थी, जब उस समय के मधेशी जन अधिकार मंच (एमपीआरएफ) और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। मधेशी जन अधिकार मंच के नेता उपेंद्र यादव थे। इस हिंसा में 27 लोग मारे गए थे और करीब सौ लोग घायल हुए थे।

विभिन्न मानवाधिकार संगठनों की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, मारे गए ज्यादातर लोग माओवादी समर्थक थे। अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा

आदेश के बाद पुलिस ने उपेंद्र यादव और अन्य 113 आरोपियों के खिलाफ मामले की दोबारा जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा तब भड़की जब मधेशी जन अधिकार मंच के समर्थकों ने माओवादियों की ओर से तैयार किया गया मंच तोड़ा। इसके बाद नगरपालिका कार्यालयपास गोली चलने की घटनाएं सामने आईं, जिससे दहशत फैल गई और फिर झड़पें और हत्याएं शुरू हो गईं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कई पीड़ितों को पकड़ा गया, पीटा गया और मार दिया गया। कई लोगों पर धारदार और भारी हथियारों से हमला किया गया। कुछ को जलाया गया और कई शवों को एक मंदिर के आस पास घुमाया गया और फिर मौके पर फेंक दिया गया। आयोग ने इस घटना को पूर्व नियोजित और योजनाबद्ध हिंसा करार दिया और कहा कि इसके लिए मुख्य रूप से मधेशी जन अधिकार मंच के कार्यकर्ता जिम्मेदार थे। इसने यह भी कहा कि जिन लोगों को हिरासत में लिया गया था, उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया। हिरासत में लोगों की हत्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत अपराध है।

एनएचआसी की जांच रिपोर्ट में इस हिंसा के चार प्रमुख कारण बताए गए हैं। पहला- 31 जनवरी 2007 को गौर में माओवादियों की ओर से मंच के समर्थकों और नेताओं पर हमला किया गया, जिससे बदले की भावना पैदा हुई। दूसरा- मंच ने 21 मार्च को कार्यक्रम की पूर्व सूचना दी थी, लेकिन माओवादी संगठन की सहयोगी मधेशी मुक्ति मोर्चा ने उसी स्थान पर दो दिन पहले कार्यक्रम तय कर टकराव की स्थिति बना दी। तीसरा- स्थानीय व्यापार संघ ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की थी और प्रशासन ने भी मौखिक रूप से कार्यक्रम अलग-अलग करने को कहा था, लेकिन माओवादी बैठक में नहीं आए और दोनों पक्षों ने प्रशासन की अपील को नजरअंदाज कर दिया। चौथा- 20 मार्च 2007 को जिला सुरक्षा समिति ने अतिरिक्त सुरक्षा बल की मांग की थी, लेकिन संबधित अधिकारियों ने समय पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं की।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास से घबराए किम जोंग, परमाणु क्षमता के विस्तार की दी धमकी

सिओल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों की आलोचना की। किम ने कहा कि वह अपने परमाणु बलों का तेजी से विस्तार करेंगे, ताकि विरोधियों का मुकाबल कर सकें। यह बयान उन्होंने उस समय दिया, जब वह अपने सबसे आधुनिक युद्धपोत का निरीक्षण कर रहे थे, जिसे परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

किम जोंग ने सोमवार को पश्चिमी बंदरगाह नामपो का उस समय दौरा किया है, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं से बढ़ते खतरों के मद्देनजर अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए वार्षिक ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड शुरू किया। 11 दिन के इस सैन्य अभ्यास में कुल 21 हजार सैनिक शामिल हैं, जिनमें से 18 हजार दक्षिण कोरिया के हैं। इसमें कंप्यूटर-आधारित कमान पोस्ट अभियान और मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं।

उत्तर कोरिया इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों को लंबे समय से आक्रमण की तैयारी बताता आया है। किम इन अभ्यासों को अक्सर अपने सैन्य परीक्षणों और परमाणु कार्यक्रम के विस्तार को

जायज ठहराने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कोरियाई प्रायद्वीप अब भी तकनीकी रूप से युद्ध की स्थिति में है। यह असैन्यीकृत क्षेत्र दो हिस्सों उत्तर और दक्षिण कोरिया में बंटा है।

किम ने जिस युद्धपोत का निरीक्षण किया, उसका नाम चोए ह्योन है। यह 5000 टन वजन युद्धपोत अप्रैल में पहली बार सार्वजनिक किया गया था। किम ने कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास शत्रुता और युद्ध की इच्छा को दर्शाता है। अभ इन सैन्य अभ्यासों में परमाणु तत्व भी शामिल हैं, जिससे उत्तर कोरिया को निर्णायक प्रतिक्रिया देनी होगी। उत्तर कोरिया की सरकारी एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, किम ने कहा कि उत्तर कोरिया के चारों ओर की सुरक्षा स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है और मौजूदा सैन्य सिद्धांतों और अभ्यास में तेज बदलाव और परमाणु क्षमताओं का विस्तार जरूरी हो गया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार ने फिलहाल किम की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनकी सरकार उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने और बातचीत दोबार शुरू करने की इच्छुक रही है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने भी किम के युद्धपोत की क्षमता को लेकर कोई नई जानकारी साझा नहीं की है।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु और मिसाइल हमले की धमकियों का मुकाबला करना है। इस अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हमले की रोकथाम और जवाब देने के लिए प्रशिक्षण शामिल होगा। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-ईरान जैसे हालिया युद्धों से भी सबक लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही अभ्यास में ड्रोन हमलों, जीपीएस बाधाओं और साइबर हमलों से निपटने की रणनीतियां भी शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन में फिलहाल सीजफायर नहीं:ट्रम्प ने मीटिंग रोक पुतिन को फोन किया

यूक्रेन सिक्योरिटी गारंटी के बदले 8 लाख करोड़ के अमेरिकी हथियार खरीदेगा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय लीडर्स के साथ मीटिंग की। इसमें रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बनी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। हालांकि, मीटिंग में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा हुई। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर इस पर काम करेंगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति ऑफिस (क्रेमलिन) ने बताया कि ट्रम्प ने मीटिंग रोककर पुतिन से फोन पर 40 मिनट बात की। इस दौरान पुतिन ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने बताया कि ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन 15 दिन के भीतर जेलेंस्की से मुलाकात को राजी हो गए। मीटिंग के बाद जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि यूक्रेन सुरक्षा गारंटी के बदले यूरोप के पैसों से 90 अरब डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपए) के अमेरिकी हथियार खरीदेगा।

जेलेंस्की ने मेलानिया ट्रम्प को धन्यवाद दिया

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेनी बच्चों के अपहरण का मुद्दा उठाने के लिए ट्रम्प की पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प का धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि, हम उनकी संवेदना और पुतिन को लिखे उनके पत्र के लिए तहे दिल से आभारी हैं। दरअसल, मेलानिया ने पिछले हफ्ते इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए एक लेटर लिखा था। इस लेटर को अलास्का में हुई समिट के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने पुतिन को सौंपा था। व्हाइट हाउस में चर्चा के बाद, यूरोपीय नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और यूक्रेन के बीच सार्थक बातचीत से पहले युद्धविराम होना आवश्यक है।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने एक्स पर लिखा : असली बातचीत केवल उसी मीटिंग में हो सकती है जिसमें यूक्रेन भी भाग ले। ऐसी मीटिंग तभी संभव है जब हथियार थम जाएं। मैंने आज एक बार फिर यह माँग दोहराई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बैठकों के बाद यही बात

कही।रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ अलास्का मीटिंग के बाद ट्रम्प के यूक्रेन में तत्काल युद्ध विराम की आवश्यकता पर दिए गए बयान को पलटना यूरोपीय नेताओं के लिए एक झटका था।

यूक्रेन यूरोप के पैसे से 90 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार खरीदेगा : जेलेंस्की ने बताया कि ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बैठक में यूक्रेन की सुरक्षा के लिए एक योजना पर बात हुई। इसके तहत यूक्रेन यूरोप के पैसे से 90 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार खरीदेगा। जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा का एक और हिस्सा यह होगा कि यूक्रेन ड्रोन बनाएगा, जिनमें से कुछ को अमेरिका खरीदेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा कि यह योजना अभी चर्चा में है और कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि अगले एक हफ्ते या 10 दिनों में इस समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से अगले दो हफ्ते में मुलाकात की हामी भरी है। मर्त्ज ने कहा कि इस मुलाकात की जगह अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस बैठक की अच्छे से तैयारी करनी होगी, लेकिन उन्हें नहीं पता कि पुतिन इसमें शामिल होने की हिम्मत करेंगे या नहीं। यूक्रेन में जिंदगी और मौत का सवाल चल रहा है। अलास्का से वाइट हाउस तक शांति के लिए बैठकें हो रही हैं। सोमवार (18 अगस्त) को वाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की कई प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ पहुंचे। उनका उद्देश्य ट्रंप के साथ बैठक कर युद्ध को रोकने पर चर्चा करना था। लेकिन इन सभी अहम मुद्दों के बीच वाइट हाउस प्रेस कोर में सबसे अधिक चर्चा इस बात पर थी कि क्या इस बार जेलेंस्की सूट पहनेंगे या नहीं।

दरअसल, फरवरी में जब यूक्रेन के युद्धकालीन नेता ओवल ऑफिस गए थे, तब एक अमेरिकी पत्रकार ने बिजनेस सूट के बजाय सैन्य शैली की पोशाक पहनने के लिए उनका मजाक उड़ाया था। उस समय यह सिर्फ उनके ड्रेसिंग सेंस का मजाक लग रहा था, लेकिन कुछ ही मिनटों में इसने तनावपूर्ण माहौल बना दिया था।

उस वक्त ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रूस के आक्रमण के खिलाफ अमेरिकी समर्थन के लिए आभारी न होने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की थी। पूरी दुनिया उस घटना को देख रही थी। एक संप्रभु राष्ट्र, जिसे अमेरिका का मित्र भी माना जाता है, उसके राष्ट्रपति को सार्वजनिक रूप से डांटा गया था। लेकिन छह महीने बाद स्थिति काफी बदल गई थी।

18 अगस्त को वाइट हाउस में जेलेंस्की एक स्मार्ट काली जैकेट और कॉलर वाली काली शर्ट में पहुंचे। ट्रंप ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकता, मुझे यह बहुत पसंद आया। इस पर जेलेंस्की ने जवाब दिया कि मेरे पास यही सबसे अच्छा है।

बता दें कि अमेरिकी पत्रकार ब्रायन ग्लेन ने ट्रंप के साथ बैठक के दौरान जेलेंस्की की ड्रेस की तारीफ की। तब ट्रंप ने बातचीत में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मैंने भी यही कहा था। उन्होंने जेलेंस्की को याद दिलाया कि यही वह व्यक्ति है जिसने पिछली बार आपकी आलोचना की थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हीरा उद्योगपति डी.के. मारवाड़ी के आलीशान बंगले पर संकट

25 करोड़ का कर्ज,20 करोड़ का बीमा और 32 करोड़ की फर्जी चोरी का खुलासा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा इलाके में स्थित डीके एंड संस कंपनी से 18 अगस्त 2025 को 32 करोड़ की हीरा चोरी की खबर सामने आई थी। लेकिन अगले ही दिन यह खुलासा हुआ कि चोरी असली नहीं बल्कि नकली (फर्जी) थी और इसके पीछे कोई और नहीं बल्कि कंपनी के मालिक डी.के. मारवाड़ी (देवेन्द्र कुमार चौधरी) ही आरोपी हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उन पर 25 करोड़ का कर्ज था और कर्ज से निकलने व 20 करोड़ का बीमा क्लेम करने के लिए इस पूरे षड्यंत्र को अंजाम दिया गया। इसमें उनका एक बेटा भी शामिल था जबकि दूसरे बेटे की संलिप्तता की जांच की जा रही है।

300 करोड़ का टर्नओवर करने वाली कंपनी के मालिक देवेन्द्र चौधरी हीरा उद्योग की मंदी के कारण कर्ज में डूब गए थे। कुछ ही समय में उन पर 25 करोड़

से ज्यादा का कर्ज हो गया। इससे निकलने के लिए उन्होंने चतुराई से बीमा क्लेम का खेल रचा।

उन्होंने 10 दिन पहले ही अपनी कंपनी का बीमा नवीनीकृत कराया था। बीमा राशि करीब 20 करोड़ रुपए थी।

उन्होंने अपना बंगला गिरवी रखकर 14 करोड़ की बैंक लोन ली, मार्केट से 7 करोड़ और राजस्थान से रिश्तेदारों से 4 करोड़ उठाए। कुल मिलाकर 25 करोड़ का बोझ चढ़ गया।

देवेन्द्र चौधरी पिछले 20 साल से हीरा व्यापार में हैं। कभी उनके यहां 1500 कारीगर काम करते थे और कारोबार 300 करोड़ का था, लेकिन कोरोना के बाद काम ठप हो गया और सिर्फ 15 स्टाफ बचा।

वे पिछले 15 साल से बीमा भरते आ रहे हैं। चोरी की स्थिति में कंपनी के अंदर 20 करोड़ और बाहर 2 करोड़ का बीमा था। इसके लिए वे हर साल 3.75 लाख प्रीमियम देते थे।

5 साल पहले भी उन्होंने कतारगाम में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी और 8 लाख का बीमा क्लेम लिया था। अब पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वह भी असली चोरी थी या फर्जी।

48 वर्षीय देवेन्द्र कुमार चौधरी मूल रूप से राजस्थान के बाड़मेर जिले के गुडामालाणी गांव के रहने वाले हैं। वे 35 साल से सूरत में रह रहे हैं। वराछा इलाके में डायमंड किंग और डीके एंड संस के नाम से उनका कारोबार चलता है।

डायमंड किंग का खाता वे अकेले संभालते हैं, जबकि डीके एंड संस में उनकी पत्नी, बेटा पियूष, बहू और छोटा बेटा ईशान साझेदार हैं। परिवार मिलकर हीरा कारोबार चलाता है।

कंपनी का ज्यादातर कारोबार मुंबई और विदेश से जुड़ा है। पिछले 20 साल से काठियावाड़ी हीरा व्यापारियों के बीच डी.के. मारवाड़ी एक बड़े व्यापारी के तौर पर जाने जाते हैं।

कंपनी में 15 अगस्त से जन्माष्टमी तक तीन दिन की छुट्टी थी। 15 अगस्त को दोपहर में उन्होंने पॉलिश और रफ हीरे तिजोरी में रखे और घर चले गए।

18 अगस्त की सुबह अचानक खबर आई कि 32.6 करोड़ की चोरी हो गई है। इसमें 5 लाख नकद और 1,12,561 कैरेट हीरे शामिल थे। चोर सीसीटीवी का डीवीआर भी ले गए। मौके से अलग-अलग ब्रांड की सिगरेट के ठूंठ और गुटखे का पाउच भी मिला।

पहले शक था कि चोर मुंबई या राजस्थान के हैं, लेकिन बाद में जांच में सामने आया कि यह सब डी.के. मारवाड़ी की ही बनाई साजिश थी।

नवसारी जिले में सुबह से ही जोरदार बारिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले में सुबह से ही जोरदार बारिश का दौर शुरू हो गया। सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक अलग-अलग तालुका में अच्छा खासा पानी बरसा।

खेरगाम तालुका में सबसे ज्यादा 61 मिमी (2.49 इंच) बारिश हुई। वांसदा में 55 मिमी, गनदेवी में 46 मिमी और चीखली में 26 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, नवसारी शहर में 2 मिमी और जलालपोर में 1 मिमी वर्षा हुई।

भारी बारिश के चलते जिले के चार अहम रास्ते बंद करने पड़े।

चीखली तालुका का रुपला-चीरपाड़ा रोड और वेलणपुर एप्रोच रोड पानी भरने से बंद।

खेरगाम तालुका का तोरणवेला-पाटी खटाणा मार्ग और वांसदा तालुका का खाटा आंबा-वाटी रोड ओवरफ्लो से बंद हो गए।

गनदेवी तालुका में भी मुख्य मार्गों पर पानी भर गया, जिससे गनदेवी से इच्छापुर जाने वाले मार्ग पर वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज हवा और बारिश के कारण विजिबिलिटी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा।

वांसदा तालुका के कैलिया डैम और आसपास के क्षेत्रों में भी लगातार वर्षा हो रही है। कैचमेंट एरिया में पानी बढ़ने से डैम के आउटफ्लो में वृद्धि दर्ज की गई है।

कपराडा में 6 इंच से ज्यादा बारिश, 53 सड़कें बंद,मधुबन डेम के 10 गेट खोले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले में सुबह 6 बजे से 12 बजे तक भारी बारिश दर्ज की गई। कपराडा तालुका में सबसे ज्यादा 123 मिमी बारिश हुई है। वापी में 67 मिमी, धरमपुर में 66 मिमी, पारडी में 50 मिमी, उमरगाम में 33 मिमी और वलसाड में 16 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भारी बारिश के कारण जिले की कुल 53 सड़कें बंद कर दी गई हैं। इनमें जिला पंचायत के अधीन 52 सड़कें और राज्य सरकार के अधीन 1 सड़क शामिल है। राज्य मौसम विभाग ने वलसाड जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मधुबन डेम के ऊपरी क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के चलते डेम के 10 गेट 1.50 मीटर तक खोले गए हैं। इसके कारण दमनगंगा नदी के किनारे बसे गांवों को अलर्ट कर दिया गया है।

मृतक छात्र का अंतिम संस्कार:महिलाओं और पुलिस के बीच झड़प

अहमदाबाद में सेवेंथ डे स्कूल के कक्षा-8 के छात्र ने कक्षा-10 के छात्र की हत्या की, हालात बेकाबू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के मणिनगर स्थित सेवेंथ डे स्कूल में मंगलवार को मामूली धक्का-मुक्की की घटना में कक्षा-8 के छात्र ने कक्षा-10 के छात्र पर चाकू से हमला कर दिया था। घायल छात्र की बुधवार सुबह अस्पताल में मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने स्कूल पहुंचकर प्रिंसिपल और स्टाफ के साथ मारपीट की और तोड़फोड़ की। बताया जा रहा है कि नाबालिग आरोपी छात्र शाहआलम का रहने वाला है।

मृतक छात्र का अंतिम संस्कार इसनपुर श्मशान भूमि पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में किया गया। अंतिम यात्रा में 2000 से अधिक लोग शामिल हुए। मृतक के पिता ने सरकार और पुलिस से न्याय की मांग की। अंतिम यात्रा स्कूल के पास से ही निकाली गई, जहां वारदात हुई थी। किसी अप्रिय

घटना से बचने के लिए भारी पुलिस बंदोबस्त किया गया था।

छात्र की मौत की खबर फैलते ही सुबह 11 बजे तक करीब 2000 लोग स्कूल के बाहर जमा हो गए। भीड़ ने अचानक हिंसक रूप ले लिया और स्कूल में घुसकर बसों, गाड़ियों और टू-व्हीलर में तोड़फोड़ की। स्टाफ पर हमला किया गया, दरवाजे और कांच तोड़े गए। भीड़ ने एक स्टाफ को पकड़कर ऊपर ले जाकर पीटा।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस पहुंची लेकिन भीड़ पर काबू नहीं कर पाई। पुलिस जब स्टाफ को बचाकर बाहर निकाल रही थी तब भीड़ ने पुलिस वाहन को भी उलट दिया। बाद में गुस्साई भीड़ ने स्कूल के बाहर रोड पर बैठकर चक्का जाम कर दिया और "पुलिस हाय-हाय" के नारे लगाए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर स्थिति नियंत्रित करने की कोशिश की।

मणिनगर के विधायक, डीसीपी बलदेव देसाई और एसीपी मौके पर पहुंचे। साथ ही बजरंग दल, VHP, ABVP के कार्यकर्ता भी "जय श्रीराम" के नारे लगाते हुए पहुंचे। पुलिस और ABVP कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। पुलिस ने एक ABVP नेता को बाल और कॉलर पकड़कर अंदर ले लिया, जिससे माहौल और गरमा गया।

क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस ने बल प्रयोग कर लोगों को स्कूल परिसर से बाहर निकाला और गेट बंद कर दिया। महिलाओं और महिला पुलिस के बीच भी झड़प हुई।

स्थिति बिगड़ने पर क्राइम ब्रांच के जेसीपी शरद सिंगल भी मौके पर पहुंचे। विधायक अमुल भट्ट ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

सेक्टर-2 जेसीपी जयपालसिंह राठौड़ ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। भीड़ की मांग है कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो और स्कूल बंद किया जाए। शिक्षा विभाग को मामले की जानकारी दी गई है और आगे की कार्रवाई उसके अधिकार क्षेत्र में होगी।

कुल मिलाकर, मृतक छात्र की मौत के बाद गुस्से में आई भीड़ ने स्कूल और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध किया, जिससे अहमदाबाद का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

वापी के धुलेटी हत्याकांड का आरोपी बिहार से गिरफ्तार 10 साल पहले हत्या कर फरार हो गया था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला लोकल क्राइम ब्रांच ने 10 साल पुराने हत्या केस के आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी विश्वजीत वीरबहादुर सिंह पटना जिले के फतुहा इलाके से पकड़ा गया है।

वलसाड के एसपी डॉ. करणराज वाघेला के "ऑपरेशन हंट" के तहत यह कार्रवाई की गई। एलसीबी पीआई उत्सव बारोट की टीम ने तीन महीने तक तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर जांच शुरू की थी।

साल 2016 में धुलेटी के दिन वापी में पैसों की मांग को लेकर हुए झगड़े में विजयभाई पटेल की चाकू से वार कर हत्या कर दी गई थी। इस केस में मुख्य आरोपी सुधीर यादव की गिरफ्तारी हो चुकी थी।

सह-आरोपी विश्वजीत वीरबहादुर सिंह घटना के बाद दमन से बिहार भाग गया था। वह ड्राइवर के रूप में काम करके छिपा हुआ था। एलसीबी की टीम ने आरोपी को पकड़कर वापी टाउन पुलिस स्टेशन को सौंप दिया है। आरोपी मूल रूप से बिहार के भोजपुर जिले के देवरिया गांव का रहने वाला है और फिलहाल दमन में रह रहा था।

बिहार में हत्या कर फरार आरोपी गिरफ्तार

पलसाणा तालुका में सिक्योरिटी गार्ड बनकर रह रहा था,STF ने पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बिहार STF और सूरत ग्रामीण पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बिहार के पटना जिले में हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बिट्टू कुमार उर्फ विष्णुकांत नवीन शर्मा सूरत के पलसाणा तालुका के तातीथैया इलाके की एक औद्योगिक इकाई में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर रहा था।

साल 2025 में पटना के नौबतपुर इलाके में एक ऑटो रिक्शा और मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर में आरोपी ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। उसने अन्य दो लोगों पर भी फायरिंग की थी। इसके बाद वह फरार हो गया था।

बिहार स्क्वाड को खबर मिली कि आरोपी सूरत में छिपा हुआ है। पुलिस महानिरीक्षक प्रेम वीर सिंह और उप पुलिस महानिरीक्षक हितेशकुमार जोयसार के मार्गदर्शन में LCB, पैरोल-फर्लो स्क्वॉड और बिहार स्क्वाड की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ लिया गया।

अब आरोपी को कोर्ट में पेश कर बिहार ले जाने की कार्रवाई शुरू की गई है। इस सफल ऑपरेशन से राज्य के बाहर के अपराधियों को यह संदेश गया है कि गुजरात में छिपे अपराधियों को सख्ती से पकड़ा जाएगा।

पांडेसरा पुलिस और GIDC की अनोखी पहल

श्रमिक बच्चों के लिए 'डे केयर' सेंटर शुरू, बच्चों को घर से लाने-ले जाने के लिए सरकारी वाहन की व्यवस्था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्रमिक माता-पिता के बच्चों की सुरक्षा और देखभाल के लिए सूरत शहर में एक अनोखा और सराहनीय प्रयास शुरू किया गया है। पांडेसरा पुलिस और पांडेसरा GIDC के संयुक्त उपक्रम से श्रमिक माता-पिता

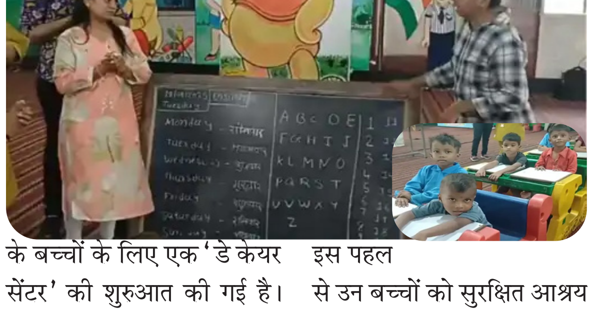

के बच्चों के लिए एक 'डे केयर सेंटर' की शुरुआत की गई है। इस पहल से उन बच्चों को सुरक्षित आश्रय मिला है, जिनके माता-पिता काम पर जाने के कारण दिनभर घर पर अकेले रहते थे।

सूरत का पांडेसरा क्षेत्र एक बड़ा औद्योगिक इलाका है, जहां देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रमिक बड़ी संख्या में रहते हैं। ये श्रमिक दंपति फैक्ट्रियों और उद्योगों में काम करते हैं, जिसके कारण उन्हें अपने छोटे बच्चों को दिनभर घर पर अकेला छोड़ना पड़ता है। यह अकेलापन बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

बच्चों के गुम हो जाने, दुर्घटना का शिकार बनने या असामाजिक तत्वों के निशाने पर आने जैसी घटनाएं बढ़ रही थीं। इसी गंभीर समस्या को ध्यान में रखकर पांडेसरा पुलिस और GIDC एसोसिएशन ने मिलकर यह अनोखी पहल की।